दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 224 | जयपुर, मंगलवार, 23 जुलाई, 2024 । श्रावण, कृष्ण पक्ष-द्वितीया , विसं 2081 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

बजट सत्र से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों का विजन 2047 में जुटने का किया आह्वान

अगले 5 साल की दशा और दिशा तय करेगा केंद्र का बजट

बेधड़क | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले छह दशक में लगातार एक सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने को लोकतंत्र की गौरवमय यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए कहा कि उनकी सरकार जो बजट पेश करने जा रही है वह अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह अगले पांच साल के लिए देश की दशा तथा दिशा तय करेगा।

पीएम मोदी ने सोमवार को संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले संसद भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, "ये बजट अमृतकाल का एक महत्वपूर्ण बजट है। हमें पांच साल का जो अवसर मिला है, आज का बजट हमारे उन पांच साल के कार्य की दिशा भी तय करेगा और 2047 में जब आजादी के 100 साल होंगे, तब विकसित भारत का जो सपना है, उसको पूरा करने की मजबूत नींव वाला बजट कल देश के सामने आएगा।

हर देशवासी के लिए एक गर्व की बात है कि भारत बड़ी इकोनॉमी वाले देशों में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला देश है। गत 3 वर्षों में लगातार 8 प्रतिशत ग्रोथ के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं, प्रगति कर रहे हैं। आज भारत में सकारात्मक आउटलुक, निवेश और प्रस्तुति एक प्रकार से अवसर के चरम पर हैं। ये अपने आप में भारत की विकास यात्रा का एक अहम पड़ाव है।"

सरकार की हैट्रिक गर्व की बात

उन्होंने तीसरी बार एक ही सरकार के गठन को लोकतंत्र के लिए गौरव का विषय बताया और कहा "भारत के लोकतंत्र की जो गौरवयात्रा है, उसमें ये एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में मैं देख रहा हूं। व्यक्तिगत रूप से मुझे भी, हमारे सभी साथियों के लिए भी ये अत्यंत गर्व का विषय है कि करीब 60 साल के बाद कोई सरकार तीसरी बार वापस आई और तीसरी पारी का पहला बजट रखने का सौभाग्य प्राप्त हो, ये भारत के लोकतंत्र की गौरवयात्रा की अत्यंत गरिमापूर्ण घटना के रूप में देश इसे देख रहा है।

सभी सांसदों को विजन 2047 साकार करने में जुटना होगा

प्रधानमंत्री ने कहा "मैं देश के सभी सांसदों से, चाहे वह किसी भी दल के क्यों न हों। मैं आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं कि गत जनवरी से लेकर के हम लोगों के पास जितना सामर्थ्य था, इस सामर्थ्य को लेकर के जितनी लड़ाई लड़नी थी- लड़ ली, जनता को जो बात बतानी थी- बता दी। उन्होंने कहा "जनवरी 2029, जब चुनाव का वर्ष होगा आप उसके बाद जाइए मैदान में, सदन का भी उपयोग करना है, कर लीजिए। वो 6 महीने जो खेल, खेलने हैं- खेल लीजिए। लेकिन तब तक सिर्फ और सिर्फ देश, देश के गरीब,देश के किसान, देश के युवा,देश की महिलाएं उनके सामर्थ्य के लिए, उनको सशक्त करने के लिए जनभागीदारी का एक जनआंदोलन खड़ा कर करके 2047 के सपने को पूरा करने के लिए हम पूरी ताकत लगाएं।

जरूरी खबर

राहत फतेह अली खान दुबई में गिरफ्तार!

दुबई। पाकिस्तानी गायक राहत फतेह अली खान को दुबई एयरपोर्ट से हिरासत में ले लिया गया। जियो टीवी के हवाले से ये बात सामने आई कि पुलिस स्टेशन से राहत फतेह अली खान से कई घंटों से पूछताछ चली। हालांकि, बाद में जो वीडियो सामने आया है वो कुछ और ही कहानी कहता दिखा। इसमें राहत फतेह अली खान अपनी गिरफ्तारी की बात को नकारते दिखे। हालांकि ऐसा उन्होंने सीधे सीधे नहीं कहा। उन्होंने कहा कि मैं दुबई में अपने गाने रिकॉर्ड करने के लिए आया हुआ हूं और सब ठीक है।

निपाह वायरस को लेकर राजस्थान में अलर्ट

जयपुर। निपाह वायरस के केरल में डिटेक्ट होने और एक मरीज की मौत के बाद राजस्थान में भी अलर्ट जारी किया गया है। स्वास्थ्य निदेशालय के निदेशक डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने एक आदेश जारी करके प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल, सीएमएचओ, पीएमओ को अलर्ट किया है। साथ ही केरल से आने वाले यात्रियों पर निगरानी के निर्देश दिए हैं। वहीं, हॉस्पिटल में संदिग्ध मरीजों को डिटेक्ट कर उनकी सूचना भेजने के निर्देश दिए हैं। निपाह इस केस में मरीजों को तेज सिरदर्द और बुखार की शिकायत आती है। समय के साथ इसके लक्षण गंभीर हो सकते हैं। इसमें ब्रेन इन्फेक्शन होने का खतरा भी है।

पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को SC से राहत

जयपुर। पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। कोर्ट ने मलिंगा की जमानत रद्द करने के हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। बता दें, 5 जुलाई को हाई कोर्ट ने मलिंगा की जमानत रद्द करते हुए 30 दिन में सरेंडर करने के लिए कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और एईएन हर्षदापति को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। दरअसल, मलिंगा पर धौलपुर के बाड़ी डिस्कॉम ऑफिस में एईएन और जेईएन को पीटने का आरोप है।

केकड़ी को बजट की सौगातों के लिए धन्यवाद सम्मेलन

बजट विकास की धुरी, हर आकांक्षा होगी पूरी: सीएम

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि परिवर्तित बजट 2024-25 विकसित राजस्थान की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसमें समाहित विजनरी रोडमैप से प्रदेशवासियों का वर्तमान के साथ-साथ भविष्य भी उज्ज्वल होगा। राज्य सरकार प्रदेश की आठ करोड़ जनता के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है और बजट की प्रत्येक घोषणा को समय पर पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को केकड़ी के कृषि मंडी प्रांगण में परिवर्तित बजट वर्ष 2024-25 में जिले को मिली सौगातों के लिए आयोजित धन्यवाद सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट की घोषणाओं का लाभ हर वर्ग, हर क्षेत्र तक पहुंचेगा और राजस्थान एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरेगा। यह बजट केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि राजस्थान और केकड़ी जिले के विकास की रूप रेखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनप्रतिनिधियों की क्षेत्र से संबंधित विकास की मांगों पर तत्परता से कार्य कर रही है। पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, विधायक सहित समस्त जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र की मांग के अनुरूप ही बजट तैयार किया गया है। श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। युवाओं के लिए समयबद्ध रूप से सरकारी भर्तियां निकाली जाएगी।

■ मुख्यमंत्री बोले- हर वर्ग, हर क्षेत्र को मिली भरपूर सौगातें

युवाओं को रोजगार देने के लिए राज्य सरकार निकाल रही भर्तियां

ये भी रहे मौजूद

इस अवसर पर राजस्थान के देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, विधायक रामस्वरूप लांबा, अनिता भदेल एवं स्वामी अवधेश दास महाराज और महंत हरिदास सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

हमारी सरकार में दबोचे गए 110 नकल माफिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में जनता से झूठे वादे किए गए, लेकिन हमने सरकार के गठन के बाद हर वादे को तत्परता से पूरा किया है। 10 जुलाई को परिवर्तित बजट 2024-25 पेश होने के तुरंत बाद ही घोषणाओं की क्रियान्विति के लिए प्रभारी मंत्री एवं सचिव जिलों के दौरों पर निकल गए। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र के अनुसार राज्य सरकार ने नकल माफिया पर सख्त कार्रवाई की। लगभग 110 नकल माफियाओं की गिरफ्तारियां हो चुकी है। अपराधियों पर नकेल कसते हुए हमने एंटी गैंगस्टर्स टास्क फोर्स का गठन भी किया है।

ईआरसीपी का कार्य धरातल पर शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने ईआरसीपी को संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना में शामिल करते हुए भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश के साथ एमओयू कर धरातल पर कार्य भी प्रारंभ कर दिया है। इससे प्रदेश के 21 जिलों में पानी की समस्या दूर होगी। साथ ही, हमारी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत राज्य सरकार ने लगभग 65 लाख किसानों को 650 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए हैं।

प्रधानमंत्री के सामाजिक सरोकारों से आया बड़ा बदलाव

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सामाजिक सरोकारों के सूत्रधार हैं। उन्होंने ही 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत कर स्वच्छता का संदेश देने और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाकर लड़के-लड़कियों का लिंगानुपात सुधारने का अहम काम किया है। इनसे समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं। पीएम मोदी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में केकड़ी जिले के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इन घोषणाओं से शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन, पेयजल आदि क्षेत्रों में विकास को नई गति मिलेगी।

मंत्री और विधायक ने सराहे सरकार के काम

जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि सीएम के नेतृत्व में सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम ने विकास कार्यों की सौगात के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अपनी मांग बजट में पूरी होने पर विधायक गौतम ने अरसे बाद जूते पहने।

टोंक: खनन बंद कराने पहुंचे ग्रामीण हुए उग्र

पथराव में मालपुरा ASP और कई पुलिस वाले घायल

बेधड़क | टोंक/जयपुर

टोंक जिले में मालपुरा उपखंड क्षेत्र के लांबाहरिसिंह सिन्धोलिया गांव में सोमवार सुबह 11 बजे तब स्थिति बेकाबू हो गई जब पुलिस एक खान में पत्थर खनन बंद कराने पहुंचे ग्रामीणों को समझाइश करने गई तो लोग उग्र हो गए और पुलिस पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया। इससे मालपुरा एएसपी समेत करीब एक दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए, इनमें छह पुलिसकर्मी तो बुरी तरह से लहूलुहान हो गए।

इतना ही नहीं, गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस की जीप के शीशे फोड़ दिए। ग्रामीणों को भड़का देख पुलिस पीछे हट गई। पुलिस की और फोर्स आई तब करीब 12 बजे ग्रामीण वहां से चले गए। घायल पुलिसकर्मियों का घटनास्थल के पास के गांव में निजी डॉक्टर से प्राथमिक उपचार कराया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि वे अपने पशु नहीं चरा पा रहे हैं। स्टे के बावजूद खनन शुरू हो गया है। जबकि लीज धारक का कहना है कि स्टे हट गया है। बढ़ते तनाव को देखते हुए SP संजीव नैन ने गांव के आसपास अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात कर दिया है।

मालपुरा एएसपी रामकुमार कस्वां ने बताया कि मालपुरा से करीब बारह किमी दूर सिंधोलिया गांव है। उसमें पहाड़ी क्षेत्र में खाते की जमीन में 2021 में खान लीज हुई थी। गांव के कई ग्रामीण इस खान से खनन के विरोध में थे। फिर इस खान में खनन पर स्टे ले लिया। ग्रामीण चाहते हैं कि इस क्षेत्र में खनन नहीं हो, ताकि उनके मवेशी चर सकें।

करीब दस दिन पहले स्टे हट गया। इसके चलते लीज धारक ने गत दिनों खनन शुरू करवा दिया। लीजधारक डिग्गी के रामप्रताप सिंह ने विकास चौधरी को कॉन्ट्रेक्ट बेस पर दे खान दे रखी है। इससे नाराज सिंधोलियों के सैकड़ों ग्रामीण एकत्रित होकर आज सुबह करीब 11 बज खनन कार्य बंद करवाने चले गए। ग्रामीणों ने खान में तोड़फोड़ कर दी। इसकी सूचना मिलने के बाद लांबाहरिसिंह पुलिस मौके पर पहुंची तो ग्रामीणों ने पथराव कर दिया।

जोशी की शाह से मुलाकात

नई दिल्ली। संसद भवन में राजस्थान के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी ने गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने शाह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में तीसरी बार सरकार बनने पर बधाई दी एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया।

बजट पूर्व देश का आर्थिक सर्वे पेश

विकसित भारत की चुनौती से निपटने के लिए घरेलू विकास जरूरी

बेधड़क | नई दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रास्ते पर और स्थिर स्थिति में है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह दावा सरकार की ओर से आर्थिक सर्वे जारी करने के बाद किया। उन्होंने कहा, ठहराव बावजूद निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में तेजी आई है।

आर्थिक समीक्षा में चालू वित्त वर्ष के लिए 6.5 से 7.0 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बहुत सूझबूझ के साथ जताया गया है। हालांकि यह मानसून की प्रगति पर भी निर्भर करेगा। पेश किए गए इकोनॉमिक सर्वे ने देश में ज्यादा से ज्यादा चीन के निवेश की वकालत की गई है। नागेश्वरन ने इस पर कहा कि भारत ग्लोबल एक्सपोर्ट्स को बढ़ाने के लिए या तो चीन के सप्लाई-चेन में शामिल हो जाए या चीन से देश में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को बढ़ावा दे।

-पेज 8 भी देखें

अर्थव्यवस्था में तेज हैं गतिविधियां

नागेश्वरन ने कहा कि हम बहुत सूझबूझ के साथ वृद्धि दर के अनुमान को जताते हैं। यही कारण है कि हमने 2024-25 के लिए देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 से 7.0 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में गतिविधियां तेज हैं और निजी पूंजीगत व्यय में तेजी आई है।

भारत का कर्ज अनुपात काफी कम

समीक्षा तैयार करने वाले मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत में विदेशों से लिया गया कर्ज अनुपात काफी कम है। नागेश्वरन ने यह भी कहा कि मुद्रास्फीतिक दबाव नियंत्रण में है और मुख्य (कोर) मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के नीचे है।

सालाना 80 लाख नौकरियां सृजित हों

नागेश्वरन के मुताबिक बढ़ती वर्कफोर्स को देखते हुए देश को हर साल 80 लाख नौकरियां सृजित करने की जरूरत है। सीईए ने कहा कि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना प्रमुख क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करने लगी है।

वित्त मंत्री ने पेश किया आर्थिक सर्वे

बजट पेश करने के एक दिन पहले भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। वित्त वर्ष 2024 में व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2023 की तुलना में कम था, और वर्ष के लिए चालू खाता घाटा जीडीपी का लगभग 0.7 प्रतिशत है। जीडीपी विकास दर 2024-25 में 6.5 से 7 प्रतिशत रहने का अनुमान आर्थिक सर्वे में साल 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 से 7.0 प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान है। साल 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अनुमानित 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। आर्थिक सर्वे में दावा किया गया है कि सरकार द्वारा लगातार मजबूत सुधारों से देश की आर्थिक बढ़ोतरी की संभावनाएं मजबूत हुईं हैं।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

जरूरी खबर

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

जयपुर। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। जिला कलेक्टर ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी अपने न्यायालय में दर्ज राजस्व प्रकरणों में लक्ष्य निर्धारित कर सप्ताह में पांचों दिन कोर्ट में दावों की सुनवाई करें। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) सुरेश कुमार नवल, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) लोकेश मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर दूदू गोपाल परिहार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य सरकार रीको के लिए नई नीति लाएगी: उद्योग मंत्री

जयपुर। उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि नियमों में सुधार करते हुए राज्य सरकार द्वारा रीको के लिए नई नीति लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्रों में बंद पड़ी इकाइयों के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार रीको को नहीं है। उद्योग मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र कठूमर के ग्राम सौंखरी में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भूमि आवंटन के पश्चात् यहां मांग के आधार पर औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया जाएगा।

सेंट्रल जेल में भिड़े दो कैदी, एक बंदी जख्मी

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल में कैदियों के बीच मारपीट और झगड़े का मामला सामने आया है। झगड़े में एक कैदी घायल हो गया। कैदी को घायल अवस्था में सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं, इस मामले को लेकर घायल कैदी की ओर से लाल कोठी थाने में मुकदमा भी दर्ज करवाया गया है। फिलहाल लाल कोठी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। लाल कोठी थाने के हेड कांस्टेबल जगदीश प्रसाद ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल में मामूली कहासुनी को लेकर दो कैदियों के बीच मारपीट हो गई। मारपीट में जोधपुर निवासी मनीष परिहार का हाथ फ्रैक्चर हो गया। घायल कैदी को सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है।

विवेकानंद मॉडल स्कूलों में प्राइमरी कक्षाओं की शुरूआत, शिक्षा मंत्री दिलावर बोले...

कांग्रेस नहीं चाहती थी गरीब बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें

बेधड़क | जयपुर

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि ये भारत सरकार का ऐतिहासिक कदम था। आदिवासी क्षेत्र और पिछड़े क्षेत्र में गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए स्वामी विवेकानंद मॉडल विद्यालय शुरू किए थे, जो बच्चे 5 साल से इन भवनों को देख रहे थे, लेकिन प्रवेश नहीं ले पा रहे थे। आज उन बच्चों का सपना पूरा हो गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पता नहीं क्यों कांग्रेस नहीं चाहती थी कि गरीब मां-बाप के बच्चे अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें, इसलिए उन पर रोक लगाई गई। उसमें बच्चों का एडमिशन नहीं किया गया, अध्यापक नहीं लगाए गए और आरोप लगाते हैं कि वर्तमान सरकार के शिक्षा मंत्री बच्चों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, जबकि खिलवाड़ कांग्रेस ने किया है। इसकी वे निंदा करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन स्कूलों में किसी चीज की कमी नहीं है। फर्नीचर भी तैयार है, जो काम छूट गए हैं, उनके लिए कुछ धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

पर्यावरण को बचाने के लिए पौधारोपण जरूरी

लगभग 400 छात्रों ने राष्ट्रीय स्काउट जम्बूरी में भाग लिया, लगभग 600 छात्रों ने एनएमएमएस परीक्षा उत्तीर्ण कर उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृति प्राप्त की। लगभग 20 छात्रों का चयन राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल स्पर्धाओं में हुआ है। इनमें एक छात्र ने टेबल टेनिस में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया है।

आईआईटी में जा रहे बच्चे

उन्होंने नव प्रवेशित छात्रों, अभिभावकों और विद्यालयों के अध्यापकों से संवाद भी किया। साथ ही बताया कि प्रदेश में संचालित 134 स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल विद्यालयों के कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अध्ययन सहित अन्य गतिविधियों में नए आयाम स्थापित किए हैं। बीते वर्षों में मॉडल विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में से 56 विद्यार्थियों का चयन आईआईटी में हुआ है। 52 छात्रों का चयन एनआईटी में हुआ है। 119 छात्रों ने नीट परीक्षा उत्तीर्ण की है। 10 छात्रों का क्लेट में चयन हुआ है। इसी तरह 6 छात्र एनडीए परीक्षा के माध्यम से चयनित होकर भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना में उच्च पदों पर सेवाएं दे रहे हैं।

नौनिहालों को तिलक लगाकर दिया प्रवेश

चाकसू। शहर के बायपास रोड स्थित स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल चाकसू में सोमवार से कक्षा पहली से पांचवीं तक कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। जिसमें प्रवेश पाकर नए बच्चों के चेहरें खिल गए हैं। गौरतलब है कि मॉडल स्कूल में इसी सत्र से कक्षा 1 से 5 तक का बेंच खुला हैं। जिसमें लॉटरी पद्दति से नए बच्चों की लॉटरी निकाली गई। वहीं सोमवार को छात्रों का प्रवेश का पहले का दिन होने पर स्कूल में आने वाले नौनिहालों, परिजनों और शिक्षकों में अच्छा खासा उत्साह नजर आया। प्रधानाचार्य अनिता मीणा व अन्य स्टाफ ने नव प्रवेशित विद्यार्थियो का तिलक लगाकर सम्मान किया।

बीजेपी विधायक भैंराराम ने किया हरीश चौधरी पर पलटवार

विस में फिर गूंजा ठाकुर का कुआं

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा में ठाकुर का कुआं कविता पर सियासी बयानबाजी जारी है। बता दें कि इस कविता के जरिए कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने चार दिन पहले सदन में बोलते हुए कहा था कि इस बजट में हमारा क्या है, हमारा कुछ नहीं है, सब कुछ ठाकुर का है। सोमवार को सदन में जल संसाधन और वन एवं पर्यावरण विभाग की अनुदान मांगों पर बोलते हुए बीजेपी विधायक भैंराराम सियोल ने कविता के माध्यम से ही हरीश चौधरी पर पलटवार करते हुए कहा कि ना चूल्हा मिट्टी का रहा ना हल बैल का। फिर क्यों तमाशा होता है लोकतंत्र के मंदिर में। वहीं विधायक अंशुमन भाटी ने अनुदान मांगों पर बोलते हुए कहा कि महाराजा गंगासिंह ने खुद के महल गिरवी रखकर 36 कौम के लिए गंगनहर बनवाई थी। लेकिन आज कुछ लोग ठाकुरों के बजट की बात करते हैं।

महाराजा गंगा सिंह ने संपत्ति गिरवी रख बनवाई नहर

बीजेपी विधायक अंशुमन भाटी ने कहा कि महाराजा गंगासिंह ने कह दिया था कि मैं नहर के लिए अंग्रेजों से एक पैसा भी नहीं लूंगा। उन्होंने अपने खुद के निजी खर्चे पर, खुद के महल और निजी संपत्ति को गिरवी रखकर 5 करोड़ से नहर बनाई। महाराजा गंगासिंह गंगनहर सबके लिए लेकर आए थे। 36 कौम के लिए लेकर आए थे। लेकिन दुख के साथ कहना पड़ रहा है, कई लोग इस सदन में बैठकर यह बात कहते हैं कि यह ठाकुरों का बजट था।

महाराणा प्रताप और सूरजमल के वंशजों को लड़ाना बंद करो

बीजेपी विधायक भैराराम सियोल ने कविता के माध्यम से हरीश चौधरी पर तंज कसा। उन्होंने कविता के माध्यम से कहा कि वर्तमान की बात करो, पुरानी बात छोड़ो। अब ना चूल्हा मिट्टी का रहा ना हल बैल का। फिर क्यों तमाशा होता है लोकतंत्र के मंदिर में। उन्होंने कहा ठाकुर हो या किसान। लोकतंत्र के मंदिर में 36 कौम के सभी लोग हमारे हैं। महाराणा प्रताप और सूरजमल के वंशजों को लड़ाना बंद करो। मुगलों और अंग्रेजों की चाल अब चलना बंद करो। मरुधरा धरती सुख रही है कोई बात करो तो कैनाल पर बात करो। पुरानी कविताएं छोड़ो वर्तमान पर बात करो।

अब फ्री मोबाइल और बिजली का लाभ नहीं

बारां-अटरू से बीजेपी विधायक राधेश्याम बैरवा के सवाल के जवाब में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने लिखित जवाब में बताया कि पिछली सरकार की मुख्यमंत्री फ्री बिजली योजना (घरेलू अनुदान) का लाभ केवल उन रजिस्टर्ड पंजीकृत घरेलू उपभोक्ताओं को दिया जा रहा है, जिन्होंने एक जनआधार से एक घरेलू कनेक्शन को रजिस्टर्ड करवाया है। इस योजना में जून 2023 से मार्च 2024 तक 98.23 लाख घरेलू उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया। वंचित रहे उपभोक्ताओं को योजना का लाभ देने के सवाल पर ऊर्जा मंत्री ने जवाब में बताया कि इस योजना के तहत एक जनआधार से एक घरेलू कनेक्शन रजिस्ट्रेशन पर ही योजना का लाभ देने का प्रावधान है। जिन्होंने अपना रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया, वे या तो अपात्र थे या अनुदान लेने के इच्छुक नहीं थे। वंचित रहे लोगों को लाभ नहीं मिलेगा।

राज्यपाल से यूपी के जलशक्ति मंत्री की मुलाकात

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सोमवार को लखनऊ एयरपोर्ट पर मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

मुकदमे से नाम हटाने के लिए मांगी थी घूस

8 हजार की रिश्वत लेता हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

बेधड़क | जयपुर/धौलपुर

जिले के सरमथुरा थाने में तैनात हेड कांस्टेबल को सोमवार को एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया। एसीबी टीम ने आरोपी हेड कांस्टेबल को परिवादी से 8 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। साथ ही बताया गया कि आरोपी हेड कांस्टेबल परिवादी से छेड़छाड़ के मामले में मदद करने की एवज में रिश्वत मांग कर रहा था, जिसकी शिकायत पीड़ित ने एसीबी कार्यालय में दर्ज कराई थी। एसीबी के उपाधीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सोमवार को धौलपुर एसीबी की टीम ने पुलिस थाना सरमथुरा में तैनात हेड कांस्टेबल केदार सिंह को 8 हजार की रिश्वत राशि के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया। परिवादी सरमथुरा उपखंड के ग्यादासपुरा गांव का रहने वाला है। आपसी रंजिश में छोटे भाई की पत्नी ने परिवादी, उसके बच्चे सहित रिश्तेदारों के खिलाफ छेड़छाड़ का झूठा मुकदमा दर्ज कराया था। ऐसे में मुकदमे से नाम निकालने की एवज में हेड कांस्टेबल रिश्वत की मांग कर रहा था। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर आरोपी हेड कांस्टेबल को रिश्वत के साथ पकड़ा।

खबरों में बेधड़क खबर

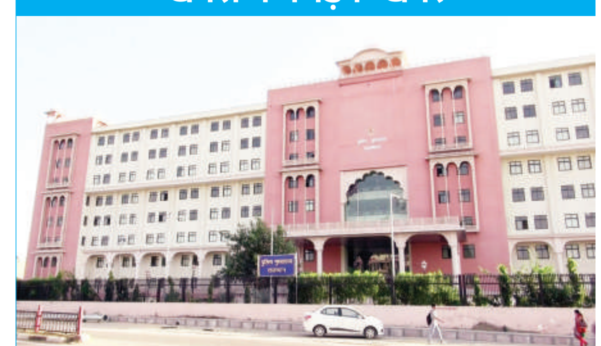

ब्रेवो की रास नहीं आ रही कार्रवाईयां

गैंगेस्टरों पर लालकोठी वाले भवन में बैठने वाले साहब की टीमों की कार्रवाईयां एक ब्रेवो साहब को रास नहीं आ रही है। बौखलाए ब्रेवो चुगली के साथ में अब सूचनाएं भी बाइपास करने लगे है। चर्चा है कि बड़े साहब की टीम के कई मुखबिरों की सूचनाएं उनके आकाओं तक ब्रेवो पहले ही पहुंचा देते है। ऐसे में बड़े गैंगेस्टरों तक पहुंचने से पहले ही टीम की पूरी प्लानिंग हिचकोले खाने लगती है। हालांकि बड़े साहब की टीम षड़यंत्रकारियों की नजर लगने के बाद भी कार्रवाईयों को आसानी से अंजाम दे रही है। ब्रेवो की कार्यशैली को लेकर खाकी का हर अफसर भलीभांति परिचित है। लेकिन ब्रेवो अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे है। चर्चा है कि ब्रेवो इनदिनों बड़ी जिम्मेदारी लेने के सपने दिन में ही देखने लगते है। हालांकि षड़यंत्र की पूरी कहानियां ऊपर तक पहुंच गई है। ऐसे में ब्रेवों के अरमान फेल होना तय माना जा रहा है।

पीटर तो बच निकले

ठगी के शिकार पीड़ितों से कमीशन का खेल शुरू करने का मामला राजधानी में चर्चा का विषय बना हुआ है। एक बड़े मामले में सीडीआर निकालने का मामला शांत ही नहीं हुआ था और ठगों से पीड़ितों का एक दूसरा बड़ा मामला चर्चा में आ गया। चर्चा है कि पीटर के कारनामों की हकीकत तो बड़े अफसरों तक पहुंच गई थी। लेकिन भ्रष्टों को पकड़ने वाले अफसरों ने कार्रवाई की जिम्मेदारी एमआई रोड़ वाले ऑफिस में बैठने वाले साहब को दे दी। पीटर भी बड़ा होशियार निकला और मामला अधीनस्थ पर उड़ेलकर बच निकले। अब पीटर अक्सर सफाई देने के लिए लालकोठी वाले भवन के चक्कर लगाते नजर आते है। चर्चा है कि पीटर की इंटरनल जांच शुरू हो गई। ऐसे में पीटर साहब मामले को मैनेज करने के लिए गुणा-भाग लगा रहे है।

स्पेशल का दर्जा लेने के लिए सिफारिशें

खाकी में स्पेशल का दर्जा लेने के लिए अल्फा, बीटा और अल्फा शेरा इंडिया रैंक के खाकी वाले कुछ कमाऊपूत की भूमिका में रहे बड़े साहबों से सिफारिशें करा रहे है। नजदीकी साहबों और कुछ नेताओं की तक अप्रोच करा रहे है। चर्चा है आखिर थानों में काम करने के बजाए स्पेशल का दर्जा लेकर ही क्यों काम करना चाहते है। ऐसे में खाकी में इन स्पेशल का दर्जा लेने वालों की कार्यशैली को लेकर कई मायने निकाले जा रहे है। क्योंकि स्पेशल का दर्जा लेने के बाद विशेष महारथियों का ठाट-बांट अलग ही हो जाते है। लग्जरी लाइफ के साथ में जेब भी भारी करने लग जाते है। क्योंकि इन विशेष महारथियों के पास शहर में किसी भी जगह जाने का मौखिक लाइसेंस जो मिल जाता है। हाल ही में बड़े साहब ने ऐसे कुछ महारथियों की छंटनी करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। छंटनी की आशंका पर महारथी इनदिनों काफी पशोपेश में है और थड़ियों पर बैठकर रणनीति बना रहे है।

विवादित कर रहे भूखंडों को गामा

राजधानी में तैनात एक गामा साहब की नजर इलाके में होने वाले क्राइम के बजाए भूखंड़ों पर ज्यादा है। सालों से जमे भूखंडधारियों के प्लॉटों को गामा साहब एक पक्ष की पैरवी करके उनको विवादित करने में लगे हुए है। एक भूखंड पर तो बदमाशों द्वारा गामा के इशारे पर रातोंरात कब्जा हो गया। ऐसे में सदमे में आई एक बुजुर्ग महिला हॉस्पिटल जिंदगी से लड़ाई लड़ रहे है। यहीं नहीं कई ऐसे मामले है। जिसमें गामा साहब काफी दिलचस्पी दिखा रहे है। गामा की इस कार्यशैली को लेकर तरह तरह की कयास लगाए जा रहे है। गामा साहब की शिकायत खाकी के आला अफसरों तक पहुंची। लेकिन गामा साहब को अभी तक बड़े साहबों द्वारा अभयदान मिला हुआ है। चर्चा है कि आखिर बड़े साहब गामा की गंभीर शिकायत मिलने पर भी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे है। ऐसे में अब कुछ पीड़ित तो बड़े साहबों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाने लगे है।

- **ओमप्रकाश शर्मा,** विशेष संवाददाता

18वीं लोकसभा का प्रथम बजट सत्र चूरू लोकसभा क्षेत्र के नाम के साथ शुरु

सांसद राहुल कस्वां ने सुजानगढ़ में केन्द्रीय विद्यालय खोलने का उठाया मुद्दा

बेधड़क | दिल्ली/जयपुर

18वीं लोकसभा के प्रथम बजट सत्र में प्रश्नकाल के दौरान पहला सवाल चूरू संसदीय क्षेत्र से सांसद राहुल कस्वां के नाम रहा। सांसद राहुल कस्वा ने सुजानगढ़ में केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने की संबंधी मांग रखते हुए कहा कि काफी लम्बे समय से सुजानगढ़ में केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने की मांग उनके द्वारा की जाती रही है। इस विषय में सरकार के समक्ष कई बार मुद्दा उठाया है और पत्राचार भी किया है। सांसद ने प्रश्नकाल के दौरान कहा कि 15 दिसम्बर 1963 को पहला केन्द्रीय विद्यालय खोला गया, जिसके बाद आज तक लगभग 1253 केवी खोले गए हैं। बीते हुए 5 साल में 48 विद्यालय नये खुले हैं। जिनमें से मात्र 2 विद्यालय राजस्थान में खुले हैं।

पिछले 56 साल में करीब 22 विद्यालय प्रतिवर्ष खोले गए, लेकिन विगत 5 वर्ष में नये विद्यालय खोले जाने की गति काफी कम हो गई। नये विद्यालय खोले जाने की जो गाईडलाईन बनाई गई वो 1963 के हिसाब से हैं, लेकिन आज समय बदल चुका है। केन्द्र सरकार बड़े बड़े शहरों जिनकी आबादी 1 लाख से ऊपर है उनको अमृत सिटी के तहत्त विकसित कर रही है। ऐसे में मंत्री ये बताएं कि ऐसे शहरों में क्या आप अपनी गाईडलाईंस बदलकर नये विद्यालय खोलने की मंशा रखते हो।

सुजानगढ़ में केवी खोलने की महत्ती आवश्यकता

सांसद कस्वां ने आगे कहा कि सुजानगढ़ जैसा शहर जो अमृत सिटी स्कीम में शामिल हैं उनमें केन्द्रीय विद्यालय खोलने पर अवश्य विचार करना चाहिए। सुजानगढ़ शहर चूरू जिला मुख्यालय (जहां केन्द्रीय विद्यालय स्थापित है) से करीब 150 किमी दूरी पर है इसलिए ऐसे में यहां केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने की महत्ती आवश्यकता है। सांसद कस्वां ने कहा कि सेन्ट्रल इन्सटीट्यूट ऑफ लर्निंग के देशभर में 12 स्कुल्स खोले गए हैं। लेकिन राजस्थान को इसमें से एक भी नहीं मिला। ये एक अच्छा कन्सेप्ट है। अत: मंत्री आप इसकी शुरूआत सुजानगढ़ से कर सकते हैं।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री ने दिया बयान

केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने बताया कि सुजानगढ़ में केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने का कोई प्रस्ताव नहीं आया है। नीति के मुताबिक राज्य सरकार द्वारा प्रस्ताव भेजने के बाद केन्द्रीय शिक्षा विभाग केन्द्रीय विद्यालय स्थापित करता है। राजस्थान हमारी प्राथमिकता में है और नीति के मुताबिक मानक जैसे- राज्य से प्रस्ताव आना, जमीन आवंटन, अस्थायी आवास होने पर इस ओर काम किया जाएगा।

NIRWAN UNIVERSITY JAIPUR
निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर

NIRWAN UNIVERSITY JAIPUR ESTD. 2017

Established by the Rajasthan State Legislature vide Act No.2 of 2017 and recognised U/s 2(f) of the UGC Act 1956

ADMISSIONS OPEN 2024-25

REGISTER NOW

- B.Com, M.Com
- BCA, MCA
- BDS, MDS
- B.Tech., M.Tech.
- B.Sc., M.Sc.
- BA, MA
- D.MLT, B.MLT
- B.Pharm, D.Pharm
- Yoga
- BPT, MPT
- B.Sc. Nursing
- LL.B., LL.M.
- B.Sc. (Hons.) Agri, M.Sc. (Ag) Agronomy, DAESI

SALIENT FEATURES

- Industry Oriented Programmes
- Lush Green Campus
- Modern Infrastructure
- Highly Qualified & Committed Faculty
- Hi-Tech Labs
- Interdisciplinary Research Cell
- Innovative Teaching-Learning
- Placement Cell
- Wi-Fi- enabled Campus & Hostel
- Separate Hostel for Boys'& Girls'
- Transportation Facilities
- Sports Facilities
- Extra-Curricular Activities
- Admissions through CUET 2024-25

INNOVATION CULTURE

Inculcate the Spirit of Innovation: Be part of a Culture that Fuels Creativityand Drives Progress

BEST FACULTY

Unlock Your Potential under the Guidance of the Best Faculty: Empowering Minds and Shaping Futures

TOP PLACEMENT

Elevate your Career to New Heights with Premier Placements, where Success Paves its way

GLOBAL TIE-UPS

Broaden your Horizons and Seize Limitless Opportunities across the Globe through International Partnerships

idp | HIGHER SCHOOL OF ECONOMICS NATIONAL RESEARCH UNIVERSITY | sas

25+ STATES | **20000+** STUDENTS' NETWORK | **25 Yrs'** OF EXCELLENCE IN HIGHER EDUCATION

MORE INFORMATION: +91 9289800300

MAIN CAMPUS : Nirwan University Jaipur, Near Bassi- Rajadhok Toll, Agra Road, Jaipur- 303305,
CITY OFFICE : 21, Sahkar Marg, 1st Floor, Near 22 Godam Circle, Jaipur – 302019 Rajasthan,
Call : +91 141- 2228000 | Email : info@nirwanuniversity.ac.in | Website : www.nirwanuniversity.ac.in

जरूरी खबर

बिजली पोल पर करंट लगने से हेल्पर घायल

कोटा। जिले में बिजली के पोल पर काम करते समय करंट लगने से 12 फीट ऊंचाई गिरकर एक हेल्पर चोटिल हो गया। करीब घटना कोटा के कैथून के सुमन विहार कॉलोनी में सुबह 9 बजे के आस-पास की है। हेल्पर के पोल से गिरने का सीसीटीवी भी सामने आया है। हेल्पर भूपेंद्र (26) के बिजली के खंबे से नीचे गिरने पर तुरंत कोटा के निजी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। उसकी हालत गम्भीर बनी हुई है। भूपेंद्र के चाचा अर्जुन ने बताया कि वह रानीपुरा गांव में रहता है।

मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों ने किया कार्य बहिष्कार

झालावाड़। प्रदेश स्तरीय आह्वान पर सोमवार को झालावाड़ में मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पताल के करीब 48 से अधिक चिकित्सा शिक्षकों ने राजस्थान सेवा रूल्स में शामिल किए जाने की मांग को लेकर कार्य का बहिष्कार किया। साथ ही शिक्षकों ने जिला अस्पताल अधीक्षक कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। चिकित्सा शिक्षक राज्य सेवा नियमों के तहत उन्हें अडॉप्ट नहीं किए जाने को लेकर नाराज दिखे। इस दौरान उन्होंने अनिश्चितकालीन कार्य के बहिष्कार करने की भी चेतावनी दी।

रेलवे लाइन सर्वे में बदलाव नहीं करने की रखी मांग

दांतारामगढ़। रींगस से खाटूश्याम जी रेल लाइन सर्वे में बदलाव नहीं करने की मांग को लेकर केरपुरा के ग्रामीणों ने सोमवार को धरना दिया। केरपुरा के ग्रामीण लगातार रेलवे के सर्वे में परिवर्तन नहीं करने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर दांतारामगढ़ उपखंड कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी गोविंद सिंह भींचर को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और रेल मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे द्वारा किया गया सर्वे बिल्कुल सही है। इस सर्वे के अनुसार रेलवे लाइन बनने से गांव की न्यूनतम आबादी प्रभावित होगी। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोग अपनी निजी स्वार्थ के लिए रेलवे लाइन में बदलाव करवाना चाहते हैं इससे गांव की अधिकांश आबादी प्रभावित होगी।

मंदिरों में दिखा शिवभक्तों का तांता, पूजा -अर्चना कर मांगी मन्नत

शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़, पूजा-अर्चना के साथ जलाभिषेक

बेधड़क | चाकसू

सावन के पवित्र महीने में इस बार शिवभक्तों को पांच सोमवार भगवान शिव की आराधना करने का अवसर मिलेगा। शास्त्रों में मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान भोलेशंकर की पूर्ण श्रद्धा भक्ति के साथ आराधना करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती है। सोमवार को यहां मनौहरा तालाब किनारे स्थित प्रसिद्ध प्राचीन शिवालय ध्यानेश्वर महादेव मंदिर में मंदिर भगवान भोलेशंकर का विद्वान पंडितों द्वारा रूद्री के सहस्वर पाठों के साथ सहस्त्रघट जलाभिषेक किया गया। चाकसू नगरपालिका के पूर्व चैयरमेन दिवंगत वैद्य बद्रीनारायण पारीक के सुपुत्र जटाशंकर, कृपाशंकर एवं रमाशंकर ने परिवार सहित अभिषेक में भाग लेते हुए प्रदेश के लिए सुख-समृद्धि के लिए मंगल कामना की। भव्य श्रृंगार एवं सजावट के साथ ही सायंकाल महाआरती के बाद पंगत प्रसादी का आयोजन हुआ। सोमवार को ही प्राचीन श्री चम्पेश्वर महादेव, नीलकंठ महादेव, खॉल के बालाजी स्थित खॉलेश्वर महादेव, शिव डूंगरी स्थित शंकर भोले, ताडकेश्वर मस्त महादेव, श्री जंगजीत महादेव मंदिर गोलीराव तालाब सहित अन्य शिवालयों में पूजा अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ रही। महिलाओं ने व्रत रखा एवं मंदिरों में, पार्कों में जाकर प्रथम वन सोमवार मनाया। खॉल के बालाजी आश्रम पर सायंकाल वन सोमवार करने वाली महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

शिव की आराधना में जुटे रहे श्रद्धालु

डीडवाना। सावन की शुरुआत के साथ ही डीडवाना क्षेत्र के शिवालयों पर भगवान शिव के जयकारे गूंजने लगे हैं। सावन के पहले सोमवार से श्रद्धालु भगवान शिव की आराधना में जुट गए हैं। शिवमंदिरों पर पूजन, अर्चना व अभिषेक आदि का दौर शुरू हो गया है। पंडित नितेश पुरोहित ने बताया कि सावन माह में शिव-पार्वती की आराधना का विशेष महत्व है। इस दौरान सावन माह में भक्त शिवलिंग पर बिल्व पत्र भेंटकर, तथा जलाभिषेक, रूद्राभिषेक, पंचामृत आदि से अभिषेक कर पूजन-अर्चना करते हैं। एक पौराणिक कथा के अनुसार सावन का माह भगवान शिव को अतिप्रिय होने की मान्यता है। उन्होंने बताया कि सावन में महिलाएं और पुरुष शिवभक्त अपनी आस्था एवं विश्वास के साथ कामना को लेकर पूरे माह या सावन के सोमवार का उपवास रखते हैं। कई शिवभक्त पवित्र कुंड व नदियों का जल कावड़ लेकर जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं।

चट्टान से बाइक के टकराने से हुआ हादसा

बाइक सवार दो श्रद्धालुओं की हुई मौत, एक घायल

बेधड़क | राजसमंद

जिले के कुंभलगढ़ से फुटा देवल मार्ग पर सावन के पहले सोमवार को बड़ा हादसा सामने आया। यहां अमरनाथ परशुराम महादेव के दर्शन के लिए जा रहे दो बाइक सवार श्रद्धालुओं की चट्टान से टकराने से मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक गंभीर घायल हो गया। वहीं हादसा इतना भीषण था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए।

केलवाड़ा थाना प्रभारी विशाल गवारिया ने बताया कि आंतरी पंचायत के सन्दुको का गुड़ा निवासी मोहनसिंह (19) पुत्र पन्नासिंह कडेचा व अर्जुन सिंह (18) पुत्र लालसिंह कडेचा की मौत हो गई, जबकि संदूको का गुड़ा, आंतरी निवासी शंकरसिंह (18) पुत्र अमरसिंह गंभीर घायल हो गया। तीनों ही युवक सावन के पहले सोमवार पर परशुराम महादेव के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। कुंभलगढ़ से परशुराम महादेव मंदिर मार्ग पर फुटा देवल के पास सड़क किनारे चट्टान से टकरा गए। हादसे के बाद मौके पर कई लोग एकत्रित हो गए और सभी को अस्पताल भेजा गया।

ट्रैक्टर छोड़कर चालक भाग गया

दुर्घटना स्थल पर पत्थर से भरा एक ट्रैक्टर खड़ा मिला। जिस पर सरदारगढ़, आमेट लिखा हुआ है। ट्रैक्टर सड़क किनारे खड़ा है और चालक फरार है। संभावना जताई जा रही है कि ट्रैक्टर सामने आने की वजह से बाइक सवार सड़क किनारे चट्टान से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए होंगे। केलवाड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे के बाद मोहनसिंह व अर्जुनसिंह के शव केलवाड़ा स्थित हीरालाल देवपुरा राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मोर्चरी में रखवाए गए हैं। वहीं, गंभीर घायल शंकरसिंह का उपचार चल रहा है।

परीक्षा देने जा रही छात्राओं को ट्रेलर ने कुचला, एक की मौके पर मौत

भीलवाड़ा। जिले में सोमवार को भीलवाड़ा-मांडल राजमार्ग पर एक ट्रेलर ने परीक्षा देने जा रही दो कॉलेज छात्राओं को कुचल दिया। घटना की सूचना मिलते ही मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल छात्रा को भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया। मांडल थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि भीलवाड़ा-मांडल हाईवे पर मांडल कस्बे में स्थित रूपी देवी कन्या महाविद्यालय की 22 वर्षीय छात्रा कृष्णा मीणा अपनी सहेली 22 वर्षीय खुशबू मीणा के साथ स्कूटी पर सवार होकर भीलवाड़ा शहर में स्थित कंचन कॉलेज में बीएड फोर्थ सेमेस्टर का एग्जाम देने जा रही थी। इसी दौरान भीलवाड़ा-मांडल राजमार्ग पर टेलीफोन एक्सचेंज के पास तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने दोनों छात्रों को चपेट में ले लिया। इस घटना में 22 वर्षीय कृष्णा मीणा की मौके पर ही मौत हो गई और खुशबू मीणा घायल हो गई।

साथी की मौत पर बिलख कर रोई खुशबू

सड़क हादसे में स्कूटी सवार कृष्णा मीणा की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, घायल खुशबू मीणा अपने साथी छात्रा कृष्णा मीणा के शव के पास बैठकर विलाप करती दिखाई दी। मौके पर मौजूद लोगों ने छात्र को ढांढ़स बंधाया व मृतका के परिजनों को सूचना दी।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समीक्षा बैठक

सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का 7 दिन में निस्तारण हो: चौधरी

बेधड़क | सीकर

जिला कलेक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में जिला कलेक्टर ने बजट घोषणाओं, सम्पर्क पोर्टल व वृक्षारोपण अभियान सहित विभिन्न प्रकरणों पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रकरणों का 7 दिन में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाये। जिला कलेक्टर ने एसई वाटर शैड को उनके विभाग की आयोजित बैठक में अनुपस्थित रहने पर शॉ-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर ने 7 अगस्त को होने वाले सघन वृक्षारोपण अभियान के संबंध में अधिकाधिक पौधारोपण करवाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को नशा मुक्ति केन्द्र खोलने के लिए तथा खेल अधिकारी को खेल महाविद्यालय के लिए भूमि आवंटन के संबंध में संबंधित उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार से समन्वय स्थापित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जिला री लाडली: गोद ली गई बेटियों को दिए चैक

जिला कलेक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में गठित जिला री लाडली कल्याण समिति द्वारा अडॉप्ट की गई बालिकाओं को सोमवार को अपने कार्यालय में आमंत्रित कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा पढाई की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान जिला कलेक्टर ने गोद ली गई सभी बालिकाओ को चैक भेंट किए।

चित्तौड़गढ़ डीएसटी और चन्देरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई

फार्म हाउस पर छापा मार 70 लाख से ज्यादा का अवैध डोडा चूरा और स्कॉर्पियो जब्त

बेधड़क | चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ जिला विशेष टीम व चन्देरिया थाना पुलिस ने एक फार्म हाउस पर दबिश देकर अवैध मादक पदार्थों के ख़िलाफ़ बड़ी कार्रवाई की है। इसमें कुल 485 किलो 670 ग्राम अवैध डोडा चूरा सहित स्कॉर्पियो जब्त की है। पुलिस द्वारा जब्त माल की कीमत 70 लाख से अधिक हैं। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने डीएसटी को सूचना मिली कि चन्देरिया थाना क्षेत्र के सतपुड़ा गांव में घोसुंडा की तरफ जाने वाले रास्ते पर राजु जाट ने अपने फार्म हाउस पर एक स्कॉर्पियो में भारी मात्रा में अवैध डोडा चूरा भर रखा है। डीएसटी की सूचना पर थानाधिकारी पन्ना लाल जाप्ते सहित सतपुड़ा गांव में फार्म हाउस पर पहुंचे। सूचना के मुताबिक़ फार्म हाउस पर एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो मिली, मौके पर कोई व्यक्ति नहीं मिला। पुलिस ने स्कॉर्पियो की तलाशी ली, जिसमे पीछे की सीट के स्थान पर रखे 26 कट्टों में 485 किलो 670 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा मिला। पुलिस ने स्कॉर्पियो व अवैध डोडाचूरा जब्त कर आरोपी सतपुड़ा निवासी राजू जाट को नामजद कर लिया है। इस पर थाना चन्देरिया पर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान जारी है। कार्रवाई में डीएसटी से प्रभारी गोरधन सिंह, कांस्टेबल चन्द्र करण सिंह, अजय, थाना चन्देरिया से एसएचओ पन्ना लाल, एएसआई देवेन्द्र सिंह, असरार जहां खां, कांस्टेबल प्रहलाद सिंह, महेंद्र सिंह, माणक राम, विजय, भागीरथ शामिल थे। जिला विशेष टीम के कांस्टेबल दुर्गा राम व दिनेश की विशेष भूमिका रही।

प्रशासनिक सुधार विभाग की टीम ने किया औचक निरीक्षण

औचक निरीक्षण में 65 विभागों के 284 कार्मिक मिले अनुपस्थित

बेधड़क | भीलवाड़ा

जिले के राजकीय कार्यालयों में प्रशासनिक सुधार विभाग टीम औचक निरीक्षण करने पहुंची। टीम ने करीब 65 विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दस्तावेजों की जांच के साथ ही नदारद कर्मियों की लिस्ट भी बनाई। टीम के आने से हड़कंप मच गया। दरअसल प्रमुख शासन सचिव प्रशासनिक सुधार विभाग टीम सुबह भीलवाड़ा पहुंची। इस दौरान उन्होंने 3 टीमों का गठन कर शहर के करीब 65 विभागों में एक साथ सुबह 9 बजकर 40 मिनट पर निरीक्षण शुरू किया। करीब एक घंटे तक चली इस कार्रवाई में कई कर्मचारी ऑफिस से नदारद मिले, जिनकी एक लिस्ट तैयार की गई है। लिस्ट को संबंधित अधिकारी को सौंपा जाएगा, जिससे अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा सके। सहायक शासन सचिव शिवजी राज जाट ने बताया कि प्रमुख शासन सचिव प्रशासनिक सुधार विभाग के निर्देश पर राजकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। इसमें 197 राजपत्रित अधिकारी में से 65 नदारद मिले, जो 32. 99 प्रतिशत है और अराजपत्रित कर्मचारी 745 में से 219 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जो 29.39 प्रतिशत है। इस दौरान 80 उपस्थिति पंजिकाएं जब्त की गई हैं। इसकी एक रिपोर्ट तैयार करके विभाग का सौंपी जाएगी, जिससे की नदारद कर्मचारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा सके। टीम ने करीब 60 से 65 विभागों का निरीक्षण किया है, जिसमें सबसे ज्यादा खान विभाग, वाणिज्य कर विभाग कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए हैं।

पुलिस ने किया लाठीचार्ज, छात्र हुए बेहोश

छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग तेज, विवि में किया छात्रों ने प्रदर्शन

बेधड़क | जोधपुर

छात्रसंघ चुनावों की बहाली की मांग को लेकर जय नारायण यूनिवर्सिटी के बाहर प्रदर्शन कर रहे छात्र नेताओं को पुलिस ने बुरी तरह से पीटा। पुलिसकर्मियों ने छात्रों के थप्पड़ और पैरों से मार मारी और लाठियों से पिटाई की, सड़क पर घसीटा। प्रदर्शन कर रहे 5 स्टूडेंट की तबीयत भी बिगड़ गई। वहीं 5 छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया। दरअसल, प्रदेश में इस बार छात्रसंघ चुनाव होंगे या नहीं इस पर अब भी सस्पेंस बरकरार है। छात्र संगठन के नेता इसे लेकर विरोध कर रहे हैं। इसी के चलते सोमवार को जोधपुर के जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी में भी एनएसयूआई समेत अन्य संगठनों की ओर से प्रदर्शन किया गया।

ज्ञापन देने के डटे तो किया लाठीचार्ज

छात्र नेता दोपहर 12 बजे जेएनवीयू के सेंट्रल ऑफिस के बाहर जुटना शुरू हो गए थे। छात्र नेताओं ने वहां धरना दिया। छात्रों की भीड़ को देखते हुए यहां पुलिस जाब्ता तैनात किया गया और बैरिकेडिंग लगाई गई। छात्र नेता कुलपति केएल श्रीवास्तव को बुलाकर ज्ञापन देने की मांग करने लगे। पुलिस के समझाइश करने के बाद भी छात्रनेता नहीं माने और कुलपति से मिलकर ज्ञापन देने की मांग पर अड़ गए। हालांकि यूनिवर्सिटी की ओर से बताया गया कि कुलपति बाहर है तो वह ज्ञापन नहीं दे सकते। इस पर छात्र नेता रजिस्ट्रार ओपी जैन को ज्ञापन देने की मांग पर अड़ गए। रजिस्ट्रार भी ज्ञापन लेने नहीं पहुंचे तो छात्र नेता प्रदर्शन करने लगे। बाद में छात्रों को हटाने के लिए पुलिस ने इनकी बेरहमी से पिटाई की। छात्र नेता जब गेट के बाहर से नहीं हटे और बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश करने लगे तो पुलिस ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया।

खून से मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, छात्रसंघ चुनाव करवाने की मांग

अजमेर। छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग को लेकर एनएसयूआई का विरोध लगातार जारी है। सोमवार को एनएसयूआई कार्यकर्ता अंकित घारू के नेतृत्व में रक्त क्रांति अभियान चलाते हुए खून से मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखा। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर छात्र संघ चुनाव बहाली करने की मांग की है। छात्र नेता अंकित घारू ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से प्रदेश भर में छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। अजमेर में भी लगातार प्रदर्शन जारी है। लेकिन भाजपा सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही। घारू ने कहा कि राजनीतिक की पहली सीढ़ी छात्र संघ चुनाव है लेकिन सरकार की ओर से यह चुनाव नहीं करवा कर छात्रों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। सोमवार को इसे देखते हुए अजमेर में रक्त क्रांति अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कार्यकर्ताओं ने अपने खून से मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखकर छात्र संघ चुनाव करवाने की अपील की है। घारू ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांग जल पूरी नहीं हुई तो इससे भी बड़ा आंदोलन कार्यकर्ताओं के द्वारा किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी सरकार की होगी।

जरूरी खबर

अस्थाई अतिक्रमण हटाए, दो ट्रक सामान जब्त

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम की सतर्कता शाखा ने सोमवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो ट्रक सामान जब्त कर 23000 रुपए का चालान वसूला है। हेरिटेज निगम के सतर्कता उपायुक्त पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सतर्कता शाखा की ओर से अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। दस्ते ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए वानिकी पथ, रमेश मार्ग, से स्कीम, स्वेज फार्म, सोडाला, विवेक विहार, मेट्रो स्टेशन, भागवत वाटिका, सिविल लाइन जोन तक अभियान चला कर सड़क और बरामदे से अस्थाई अतिक्रमण हटाया। इस दौरान राजस्व निरीक्षक बैद्यनाथ कौशिक के नेतृत्व में दस्ते ने दो ट्रक सामान जब्त किया और 23 हजार रुपए का चालान वसूल किया है।

रोडवेज कर्मचारियों ने युनूस खान का पुतला फूंका

जयपुर। राजस्थान परिवहन निगम संयुक्त कर्मचारी फैडरेशन की ओर से सोमवार को रोडवेज मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों ने निर्दलीय विधायक व पूर्व परिवहन मंत्री युनूस खान के पुतले का दहन कर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे भारतीय मजदूर संघ के संयुक्त महामंत्री और प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रकाश शर्मा ने बताया कि सरकार की ओर से हाल ही में जारी बजट में रोडवेज के लिए 1300 नई बसें और 1650 नई भर्ती की घोषणा की गई थी। इसे लेकर विधानसभा के दौरान निर्दलीय विधायक युनुस खान ने इस पर विरोध जताया था। युनुस खान ने कहा था कि लोक परिवहन को परमिट दिया जाना चाहिए। रोडवेज को संसाधन उपलब्ध नहीं करवाया जाए। रोडवेज राजस्थान में परिवहन सेवा देने में असमर्थ है। इसीलिए कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया है।

निगम अध्यक्ष श्रेया गुहा ने मुख्य प्रबंधकों के साथ हुई बैठक में दिए निर्देश

बस स्टैंड पर नहीं लाकर बाईपास ले जाने पर करें कार्रवाई

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की पुरानी हो चुकी बसों को नई बीएस-6 बसों से बदला जाएगा। इस संबंध में सोमवार को रोडवेज मुख्यालय पर सभी मुख्य प्रबंधकों के साथ हुई बैठक में निर्देश दिए गए हैं। बैठक के दौरान निगम की अध्यक्ष श्रेया गुहा ने कहा कि निर्धारित रूट की बसों का संचालन बाईपास से न होकर बस स्टेंड्स के जरिए ही किया जाए। इससे यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर ऐसा नहीं करने पर कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में सीएक्यूएम की ओर से जारी निर्देशों की पालना के लिए एनसीआर रीजन के आगरों की पुरानी हो चुकी बसों को नई बीएस-6 बसों से बदलने के निर्देश दिए।

एसी बसों में निगम के ही परिचालक लगाएं

उन्होंने कम राजस्व वाले आगरों को भी नए वैकल्पिक मार्ग और नये शेड्यूल तलाश कर राजस्व में सुधार के निर्देश दिए। गुहा ने 2x2 एसी बसों में बस सारथी की जगह पर निगम के ही परिचालक नियुक्त करने, अनुबंधित बसों को मार्ग पर भेजने से पहले चालकों के प्रशिक्षण के निर्देश दिए हैं, जिससे दुर्घटनाओं में कमी लाए जा सके। इसके साथ ही उन्होंने यात्रा के दौरान यात्रियों को जलपान संबंधी बेहतर सुविधा मुहैया कराने के लिये बसों के उचित और स्वच्छ स्थानों पर ठहराव के निर्देश दिए हैं।

नियमित निरीक्षण के निर्देश

बैठक में रोडवेज अध्यक्ष ने गैर राजस्व आय में वृद्धि, जोनल प्रबंधकों को सघन वृक्षारोपण, अन्नपूर्णा रसोई के नियमित निरिक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और उद्योगपतियों के सहयोग से आगारों और बस स्टैण्ड्स पर विकास कार्य करवाने के निर्देश दिए। बैठक में निगम की कार्यकारी निदेशक (यातायात) डॉ. ज्योति चौहान, कार्यकारी निदेशक (प्रशासन) अनीता मीना, वित्तीय सलाहकार मनीष शुक्ला, कार्यकारी निदेशक (यांत्रिक) रवि सोनी सहित निगम अधिकारी मौजूद रहे।

हाइकोर्ट ने कहा- गलता पीठ को टेकओवर करे सरकार

अवधेशाचार्य स्वयंभू महंत उनकी नियुक्ति अवैध: कोर्ट

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाईकोर्ट ने सोमवार को गलता पीठ तीर्थ के महंत अवधेशाचार्य की नियुक्ति रद्द कर दी है। जस्टिस समीर जैन की एकल पीठ ने अवधेशाचार्य और अन्य की अपील को निस्तारित करते हुए यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सरकार से पीठ को टेकओवर करके साल 1943 की स्थिति बहाल करने के निर्देश दिए हैं। गलता पीठ का विकास अयोध्या के राम मंदिर और उज्जैन के महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर करवाने को कहा है। गलता पीठ की अब तक बेची गई सभी संपत्तियों की बिक्री को भी निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा- गलता पीठ के अवधेशाचार्य स्वयंभू महंत बने हुए हैं। उनकी नियुक्ति पूरी तरह से अवैध है। जयपुर स्टेट ने उनके पिता रामोदाचार्य को महंत नियुक्त किया था। उनके निधन के बाद महंत नियुक्त करने का अधिकार केवल राज्य सरकार के पास है। इसलिए अवधेशाचार्य की नियुक्ति अवैध है। महंत अवधेशाचार्य, उनकी मां गायत्री देवी और अन्य ने देवस्थान आयुक्त के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। कोर्ट ने 22 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अब तक बेची गई सभी संपत्तियों की बिक्री को किया निरस्त

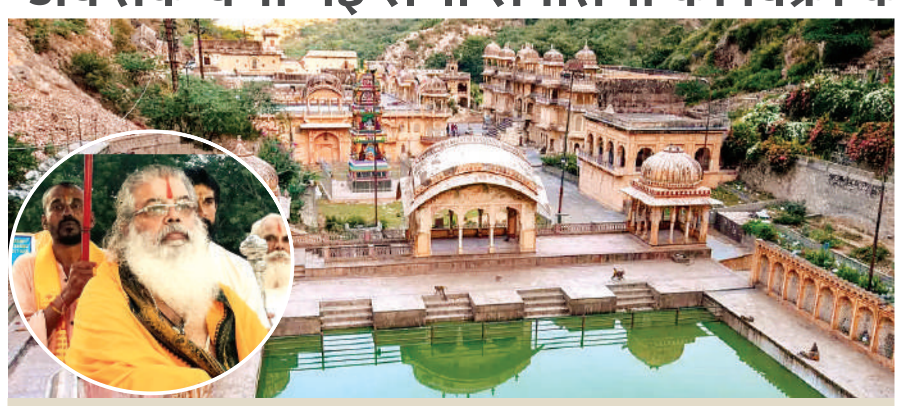

हाईकोर्ट ने देवस्थान विभाग को दिए थे जांच के आदेश

इसकी जानकारी होने पर पक्षकार रामशरणदास और वकील उमाशंकर शर्मा ने हाईकोर्ट में इसके खिलाफ जनहित याचिका (PIL) लगाई थी। इसमें कहा था कि गलता पीठ सरकार का है। महंत रामोदाचार्य को जयपुर स्टेट ने केवल महंत नियुक्त किया था। उन्हें इसे ट्रस्ट में रजिस्टर्ड कराने और वंशानुगत करने का कोई अधिकार नहीं है। उस पीआईएल में उस समय हाईकोर्ट ने देवस्थान विभाग को मामले की जांच के आदेश दिए थे। तभी से यह विवाद चला आ रहा है। मामले से जुड़े वकील उमाशंकर शर्मा ने बताया कि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। सुप्रीम कोर्ट ने देवस्थान विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर को यह मामला सुनने के आदेश दिए थे। देवस्थान कमिश्नर ने हमारे पक्ष में फैसला दिया था।

वंशजों के नाम कर दी थी गलता पीठ की संपत्ति

साल 1939 तक गलता पीठ में कोई महंत नहीं था। इसके बाद तत्कालीन जयपुर स्टेट ने प्रस्ताव पास करते हुए महंत के लिए आवेदन मांगे। इसके आधार पर रामोदाचार्य को गलता पीठ का महंत नियुक्त किया गया था। उन्होंने पीठ के नियम के विरुद्ध 1963 में राजस्थान पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट में रजिस्टर्ड करवा लिया। साल 1999 में रामादोचार्य ने ट्रस्ट के विधान (नियमों) में संशोधन करके इसे वंशानुगत में रजिस्टर्ड करवा लिया था। इसके तहत गलता पीठ की पूरी संपत्ति उनके वंशजों को मिलेगी। वहीं, उनके ज्येष्ठ पुत्र उनके बाद महंत होंगे। गलता पीठ की प्रॉपर्टी जयपुर, डीग, भरतपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में है।

राम मंदिर की तर्ज पर विकास करने के निर्देश

मामले में अतिरिक्त महाधिवक्ता बसंत सिंह छापा ने बताया कि हाईकोर्ट ने सरकार को गलता पीठ और उससे जुड़ी संपत्तियों को टेकओवर करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि गलता पीठ जनभावना से जुड़ा हुआ है। ऐसे में सरकार जयपुर के प्रसिद्ध गलता पीठ का विकास अयोध्या के राम मंदिर और उज्जैन के महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर करवाए। इसके अलावा कोर्ट ने कहा है कि सरकार गलता पीठ में 1943 की स्थिति बहाल करें।

ऋषि गालव की तपोभूमि है गलताजी

मान्यता है कि अरावली की पहाड़ियों के बीच गलता जी सतयुग के ऋषि गालव की तपोभूमि है। यहां उन्होंने करीब 60 हजार साल तक तपस्या की थी। जयपुर में सबसे पहले सूर्य की किरणें पड़ती हैं। यहीं पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस का अयोध्या कांड लिखा था। तुलसीदास गलता में 3 साल रहे थे।

निजी अस्पताल संचालकों को नोटिस

वही डॉक्टर-नर्सेज काम करें जो सरकारी एजेंसी से पंजीकृत हों

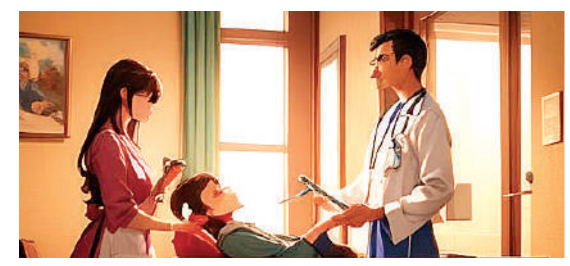

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में संचालित तमाम निजी हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, क्लिनिक अपने यहां प्रैक्टिस करने और मरीजों को देखने वाले डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ की क्वालिफिकेशन और सर्टिफिकेट की जांच करें। यह निर्देश हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से जारी नोटिस में दिया गया है।

राजस्थान मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. रवि प्रकाश माथुर और रजिस्ट्रार डॉ. राजेश कुमार शर्मा की ओर से जारी इस नोटिस के जरिए निर्देश दिए हैं कि केवल वही डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ काम करें जो सरकार की एजेंसी (राजस्थान मेडिकल काउंसिल और राजस्थान नर्सिंग काउंसिल) से पंजीकृत हैं। इसके साथ ही नोटिस में हर हॉस्पिटल संचालक को अपने परिसर की फायर एनओसी भी लेने के लिए कहा है। राजस्थान में अभी संचालित कई हॉस्पिटल संचालकों ने फायर एनओसी नहीं ले रखी। बता दें कि पिछले दिनों झुंझुनूं के एक हॉस्पिटल में डॉक्टर ने एक मरीज का ऑपरेशन करके गलत किडनी निकला दी थी।

इस घटना के बाद उस डॉक्टर का लाइसेंस सस्पेंड किया गया था। बाद में जब जांच हुई तो सामने आया कि वह डॉक्टर सुपर स्पेशियलिटी (नेफ्रोलॉजिस्ट) का न होकर सामान्य सर्जन था। राजस्थान मेडिकल कौंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि हमने सभी हॉस्पिटल, नर्सिंग होम संचालकों को ये पब्लिक नोटिस जारी करके अवेयर किया है। इसके बाद हमारी टीम अब रेंडम सर्वे या चैकिंग करके हॉस्पिटलों में जांच करेगी। अगर जांच के दौरान हॉस्पिटल में कोई स्टाफ या डॉक्टर बिना पंजीकृत कार्यरत मिला तो उस हॉस्पिटल प्रशासन के खिलाफ हम सख्त कार्रवाई करेंगे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

मेंटेनेंस के कारण के कारण सप्लाई रहेगी प्रभावित

40 इलाकों में आज बंद रहेगी बिजली

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में मेंटेनेंस के कारण मालवीय नगर, सांगानेर, प्रतापनगर और मानसरोवर समेत 40 से अधिक इलाकों में मंगलवार को बिजली की सप्लाई बाधित रहेगी। बिजली कटौती सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक अलग अलग शिफ्ट में की जाएगी। इससे शहर के प्रभावित होंगे।

सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक सांगानेर क्षेत्र में रामपुरा रोड, श्री जी नगर, बालाजी विहार, भेरू नगर, अनीता कॉलोनी, गोविंद नगर, केशर नगर, जय नगर, देव नगर और आसपास कटौती की जाएगी। इसके साथ ही प्रतापनगर क्षेत्र में एसआर ग्लोबल स्कूल, एमपीएस स्कूल, गोमती नगर, श्रीनगर, कृषि नगर और आसपास के इलाके के साथ ही मानसरोवर क्षेत्र में सेक्टर 70 से 73, टैगोर हॉस्पिटल, केंद्रीय स्कूल नंबर 5 और आसपास के इलाकों में बिजली बंद रहेगी। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक वर्तमान नगर, नेहरू नगर, उमा कॉलोनी, जैन विहार के पास, केशोपुरा, चोरडिया सिटी, कमल नेहरु नगर, धावास, जगदम्बा नगर, विधानसभा नगर, गिरधारीपुरा लालारपुरा, पान्च्यावाला, भूरा पटेल मार्ग, गांधी पथ, रंगोली गार्डन, रंगोली ग्रीन, चित्रकूट सेक्टर 1,2,5,6,7,8,9,10 करणी पैलेस, अर्पित नगर, नेमी सागर विस्तार, सिम्फोनिया, क्रेडल हॉस्पिटल, वैशाली हॉस्पिटल, भरत अपार्टमेंट विनोबा भावे नगर नगर, गंगा सागर बी, वैशाली ए ब्लॉक, विश्वामित्र मार्ग और आस पास के क्षेत्र में बिजली काटी जाएगी। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक मालवीय नगर क्षेत्र में सेक्टर-12,13,14, सिद्धार्थ नगर और आस पास बिजली बंद रहेगी।

IIS की छात्राओं ने किया 'सच बेधड़क' का दौरा

जयपुर। आईआईएस (to be deemed) विश्वविद्यालय की छात्राओं ने 'एनिमेशन एवं मल्टीमीडिया' विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर कौस्तुभ व्यास और 'मास कम्युनिकेशन' विभाग की प्रोफेसर साक्षी आर्या के नेतृत्व में सोमवार को 'सच बेधड़क' न्यूज चैनल का दौरा किया। इस दौरान छात्राओं ने न्यूज एडिटिंग, ग्राफिक डिजाइन और न्यूज एंकरिंग के बारे में जानकारी ली। सच बेधड़क के मैनेजिंग एडिटर दशरथ सिंह ने छात्राओं को न्यूज एडिटिंग की बारीकियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने 'टीवी न्यूज ब्रॉडकास्टिंग में भविष्य की स्थिति' और 'छात्राओं के लिए करियर के अवसर' पर भी मार्गदर्शन दिया।

छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर अर्धनग्न प्रदर्शन

छात्र खुद बने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री... अपने पक्ष में पेश की दलील

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर छात्रों ने सोमवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर अर्धनग्न प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन के पीछे की वजह बताई कि पिछले दिनों उन्होंने आंदोलन किया था तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया था और हमारे कपड़े फाड़े थे। इसलिए हम आज अर्धनग्न प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान सांकेतिक रूप से दो छात्रों को मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में बिठाया गया था और उनके सामने छात्रनेताओं ने एक-एक कर चुनाव कराने की मांग के पक्ष में दलील दी।

विधानसभा घेरने की दी चेतावनी

इस दौरान छात्रनेताओं ने आंदोलन को और तेज करने की बात दोहराई। छात्र नेताओं ने कहा कि सरकार अगर हमारी मांग नहीं सुनती है तो हम विधानसभा घेराव करेंगे। सरकार को चुनाव कराने चाहिए, साथ ही लिंगदोह की सिफारिशों में भी बदलाव करना चाहिए, क्योंकि 30 हजार छात्रों वाले विश्वविद्यालय में 5000 रुपए खर्च कर प्रचार नहीं किया जा सकता। आज के प्रदर्शन में छात्र नेता शुभम रेवाड़, एनएसयूआई के अभिषेक चौधरी, मोहित यादव समेत बड़ी संख्या में छात्र शामिल थे।

2022 में हुए थे आखिरी बार चुनाव

बता दें कि राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव आखिरी बार 2022 में हुए थे। 2023 में कुलपतियों के फीडबैक के आधार पर शिक्षा विभाग ने छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगा दी थी। सरकार ने भले ही कुलपतियों के फीडबैक और धनबल बाहुबल के उपयोग को आधार बनाया हो, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि तब कांग्रेस को इस बात का डर था कि एनएसयूआई का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहेगा। इसका असर विधानसभा चुनाव पर भी हो सकता है, इसलिए सरकार ने छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए थे। कमोबेश यही वजह इस बार भी है।

चुनाव कराने के मूड में नहीं दिख रही सरकार

उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा ने पिछले दिनों कहा था, ना ही हमने चुनाव कराए थे, ना ही हमने चुनाव बंद कराए। अभी हमारा पूरा ध्यान शिक्षक उपलब्ध कराने और विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने पर है। उनके बयान से सरकार का रुख स्पष्ट हो रहा है। माना जा रहा है कि सरकार छात्रसंघ चुनाव नहीं करवाने के पक्ष में है।

कई चुनौतियों से घिरी है आंचलिक पत्रकारिता

राजेंद्र बज
स्वतंत्र टिप्पणीकार

बिना किसी भूमिका के यदि यह कहा जाए कि शहरों की तुलना में ग्रामीण अंचल के पाठक राजनीतिक तौर पर अधिक परिपक्वता लिए हुए होते हैं, तो यह कथन गलत नहीं होगा। विभिन्न समाचार पत्रों के पाठक जिनकी पृष्ठभूमि ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी हुई होती है, उन्हें सतर्क पाठक की संज्ञा दी जा सकती है। पाठकों का यह वर्ग उन तमाम खबरों पर नजर रखता हैं, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उन्हें प्रभावित कर सकती हो। निश्चित रूप से शहरी नागरिकों की दिनचर्या ग्रामीण अंचल के नागरिकों की तुलना में अधिक व्यस्तता भरी होती है। इसलिए दुनिया जहान का ज्ञान अर्जन करने में ग्रामीणों का जिज्ञासु भाव स्वाभाविक रूप से अधिक होता है। नागरिकों के इन्हीं वर्ग की ओर से स्थानीय शख्सियत, समाचार पत्र के संवाददाता के रूप में अपना समय व श्रम देकर पत्रकारिता धर्म का परिपालन करते हैं। ग्रामीण अंचल से जो खबरें छन-छन कर आती है, उनके भावार्थ को यथावत रखते हुए व्याकरण की दृष्टि से तराशकर समाचार पत्रों में परोसा जाता है। इस संपूर्ण प्रक्रिया में सूत्रधार के रूप में समाचार पत्रों के स्थानीय प्रतिनिधि की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

राजनीतिक तथा प्रशासनिक कोपदृष्टि का कोपभाजन बनते हुए भी बिना किसी विशेष प्रशिक्षण के संवाददाताओं द्वारा पत्रकारिता धर्म का निर्वहन बड़ी ही शिद्दत के साथ किया जाता है। जाने-अनजाने में अपनी ही गलतियों से सीखा जाता है। वरिष्ठ नागरिकों तथा प्रबुद्ध पाठकों से मिलता प्रोत्साहन, इस वर्ग का उत्साहवर्धन करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया करता है। अपने अनुभव से त्रुटि सुधार के साथ-साथ पत्रकारिता धर्म के निर्वहन में नव प्रयोग करने की दिशा में भी यह वर्ग तत्पर नजर आता है।यही नहीं अपितु शहरी पत्रकारों की तुलना में ग्रामीण पत्रकार अधिक जोखिमपूर्ण अवस्था में पत्रकारिता धर्म का निर्वहन करता है। वह बिना किसी अतिरिक्त संरक्षण व सुविधा के क्षेत्रीय खबरों को समाचार पत्र तक प्रेषित करने तक की प्रक्रिया को मूर्त रूप देता है। विस्फोटक समाचार प्रेषित करने का जोखिमभरा कदम अपने ही विवेक से निर्धारित करना होता है। ग्रामीण पत्रकारों को मिलती सकारात्मक प्रतिक्रियाएं उन्हें अतिरिक्त ऊर्जा का संचार करने में सहायक सिद्ध होती है। बीते समय में अखबारों की खपत ग्रामीण अंचलों में कम ही होती थी लेकिन आज ग्रामीण अंचलों में अखबारों की प्रसार संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हुई है। ऐसे में अखबार व पाठक के बीच सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में अंचल के पत्रकारों की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

"वरिष्ठ नागरिकों तथा प्रबुद्ध पाठकों से मिलता प्रोत्साहन, इस वर्ग का उत्साहवर्धन करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया करता है। अपने अनुभव से त्रुटि सुधार के साथ-साथ पत्रकारिता धर्म के निर्वहन में नव प्रयोग करने की दिशा में भी यह वर्ग तत्पर नजर आता है। यही नहीं अपितु शहरी पत्रकारों की तुलना में ग्रामीण पत्रकार अधिक जोखिमपूर्ण अवस्था में पत्रकारिता धर्म का निर्वहन करता है।"

निरंतर प्रतिकूल परिस्थितियों में भी लगभग शौकिया तौर पर पत्रकारिता करते हुए ग्रामीण अंचलों में समाज सेवा का लक्ष्य भी जुड़ा होता है। अर्थात एक प्रकार से अंचल में अखबार की एजेंसी लेना प्रतिफल की दृष्टि से लगभग घाटे का सौदा ही सिद्ध होता है, लेकिन जिनमें जुनून होता है, समाजसेवा का जज्बा मन में होता है और जनहित के प्रति समर्पित मानसिकता होती है, वही शख्सियत किसी एक अखबार की एजेंसी प्राप्त कर उस सुखद अनुभूति से रूबरू होना चाहती है, जो कुछ अतिरिक्त सम्मान उन्हें दे सकती है। जाहिर है शौक पूरा करने के लिए उठाया गया कदम , उन्हें एक जनहित के प्रति समर्पित शख्सियत के रूप में स्थापित कर देता है। ग्रामीण पत्रकारिता प्रतिनिधि को एक ऐसा सुकून देती है जिसे शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त नहीं किया जा सकता। लेकिन हां, उस दिव्य अनुभूति को मात्र अनुभव किया जा सकता है। अनेक अवसरों पर क्षेत्रीय नागरिकों के लिए क्षेत्रीय पत्रकार काफी हद तक संकटमोचक भी सिद्ध हुए हैं।

विभिन्न समाचार पत्रों में ग्रामीण पत्रकारिता के बारे में अलग-अलग दृष्टि से लिखा गया है। लेकिन कहीं से कहीं तक इस वर्ग के प्रति प्रतिकूल टिप्पणियों का कतई उल्लेख नहीं हुआ होगा। हालांकि ग्रामीण पत्रकारिता की महत्ता पर संपादकों के मन में किसी प्रकार का संशय नहीं है। लेकिन ग्रामीण अंचलों में पत्रकारिता कर रहे ग्रामीण पत्रकार हर पल, हर क्षण जोखिम भरी पत्रकारिता ही कर रहे हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक कोप का! भाजन कब कहां और कौन बन जाए ? कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे में यह और भी अधिक आवश्यक हो जाता है कि ग्रामीण अंचलों में क्षेत्रीय पत्रकार संगठित अवस्था में रहे। बेहतर होगा यदि विभिन्न प्रकाशन संस्थान आंचलिक पत्रकारिता में सक्रिय वर्ग को पर्याप्त आवश्यक प्रशिक्षण देने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

वायरस से निपटने की तेजी से करनी होंगी तैयारियां

निपाह वायरस से निपटने की चुनौती

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

यह चिंताजनक है कि केरल में जानलेवा निपाह वायरस एक बार फिर पांव पसारने लगा है। मलप्पुरम में 14 साल के एक लड़के की निपाह वायरस से मौत की पुष्टि हो चुकी है और कई लोगों में इसके लक्षण उभरने की सूचना है। याद होगा गत वर्ष पहले केरल के तटीय शहर कोझिकोड में निपाह वायरस (एनआइवी) के संक्रमण से तकरीबन डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों की मौत हुई थी और कई दर्जन लोग संक्रमण की चपेट में आए थे। तब पुणे के नेशनल वर्गोलॉजी इंस्टीट्यूट स्पष्ट किया था कि केरल के कोझिकोड में संदिग्ध बीमारी से पीड़ित लोग निपाह वायरस से ही संक्रमित है। जो सबसे भयावह सच है वह यह कि इस निपाह वायरस का अभी तक कोई इलाज ढूंढा नहीं जा सका है। इसलिए इससे निपटने की तैयारी तेज होनी चाहिए।

चिंता की बात यह भी है कि निपाह वायरस से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से दूसरे लोगों को भी बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि लोगबाग इस वायरस से संक्रमित लोगों के निकट जाने से बचें। गत वर्ष देखा भी गया था कि सावधानी न बरतने का नतीजा रहा कि कोझिकोड में एक ही परिवार के तीन लोगों की जान गयी और साथ ही उनका इलाज कर रही नर्स भी मौत के मुंह में समा गयी। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो निपाह वायरस (एनआइवी) तेजी से उभरता वायरस है, जो जानवरों और इंसानों में गंभीर बीमारी को जन्म देता है। इस वायरस से मनुष्य में कई बिना लक्षण वाले संक्रमण से लेकर एक्यूट रेस्पीरेटरी सिंड्रोम और प्राणघातक इंसेफलाटिस तक हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि निपाह वायरस टेरोपस जीनस नाम के एक खास नस्ल से फैलता है और इस वायरस से लड़ने के लिए अभी तक कोई टीका यानी वैक्सीन विकसित नहीं किया गया है। इस वायरस से पीड़ित मरीजों को इंटेसिव सपोर्टिव केयर देकर ही इलाज किया जा सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ0 सीटी टैन के मुताबिक निपाह वायरस इबोला वायरस से भी अधिक खतरनाक वायरस है। क्योंकि यह सीधे मस्तिष्क पर अटैक करता है। इसकी जान लेने की क्षमता 75 प्रतिशत से 100 प्रतिशत के बीच है। एच1एन1 की तरह यह वायरस भी पर्यावरण के हिसाब से खुद को परिवर्तित कर लेता है। गत वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा चेताया गया था कि भारत और आस्टेलिया में निपाह वायरस के फैलने का सबसे अधिक खतरा है। अब जब केरल में निपाह वायरस का मामला सामने आ चुका है तो आवश्यक हो जाता है कि इससे बचाव के लिए फौरी तौर पर कारगर उपाय ढुंढा जाए।

"एक रिपोर्ट के मुताबिक इस वायरस का इंफेक्शन सबसे ज्यादा दिसंबर और मई में होता है। लेकिन यहां यह भी ध्यान रखना होगा मलेशिया के बाद जहां-जहां इस वायरस का फैलाव देखा गया, इस वायरस को लाने-ले जाने वाले कोई माध्यम नहीं थे। वर्ष 2004 में बांगलादेश में कुछ लोग इस वायरस की चपेट में आए थे। बताया गया कि इन लोगों ने खजूर के पेड़ से निकलने वाले तरल पदार्थ को चखा था और इस तरल तक वायरस को ले जाने वाली चमगादड़ थी, जिन्हें फ्रूट बैट कहा जाता है।"

इसलिए और भी कि भारत में डेंगू-चिकनगुनिया जैसी घातक बीमारी पहले से ही लोगों में खौफ पैदा की हुई है और इस बीमारी से निपटने के लिए अभी तक कारगर उपाय नहीं ढुंढा जा सका है। चूंकि निपाह वायरस से संक्रमित लोगों की मौत का प्रतिशत अन्य संक्रमित बीमारियों से कहीं ज्यादा होता है इसलिए आवश्यक है कि इससे निपटने के लिए सबसे पहले इसके लक्षणों पर गौर फरमाया जाए। चिकित्सकों का कहना है कि निपाह वायरस के संक्रमण के कारण बुखार आने के साथ मांसपेशियों में तेजी से दर्द उभरता है और आंखों के सामने धुंधला नजर आता है। कई मामले में तो दिमाग में सूजन भी आ जाती है जो अंततः जानलेवा साबित होती है। इस वायरस का पहचान यह भी है कि संक्रमण के शुरुआती दौर में सांस लेने में कठिनाई होती है और सिर में दर्द लगातार बना रहता है। चूंकि इंसानों में निपाह वायरस एन्सेफलाइटिस से जुड़ा हुआ है, ऐसे में कुछ घंटों के अंदर ही लक्षण प्रभावी हो जाते हैं और मरीज के कोमा में जाने का खतरा उत्पन हो जाता है। 1998-99 में जब यह बीमारी फैली थी उस दरम्यान 40 प्रतिशत मरीज ऐसे थे जिन्हें गंभीर नर्वस बीमारी हुई और वे बच नहीं सके। चिंता की बात यह है कि इंसानों और जानवरों को इस बीमारी को दूर करने के लिए अभी तक कोई पुख्ता इंजेक्शन नहीं बना है। इससे बचने के लिए सतर्कता ही मुख्य उपाय है।

चिकित्सकों की मानें तो निपाह वायरस के संक्रमण से बचने के लिए लोगों को पेड़ से गिरे फल को खाने से बचना चाहिए। जानवरों के खाए जाने के निशान हों तो ऐसी सब्जियां न खरीदें। जहां चमगादड़ अधिक हों वहां खजूर खाने से परहेज करें। संक्रमित रोगी और संक्रमित जानवरों के पास न जाएं। निपाह वायरस (एनआइवी) के इतिहास में जाएं तो सबसे पहले 1998 में मलेशिया के कम्पंग सुंगाई निपाह वायरस के बारे में जानकारी मिली। मलेशिया के जिस निपाह गांव में यह वायरस फैला उसके नाम पर ही इसे निपाह नाम दिया गया। उस वक्त चिकित्सकों का निष्कर्ष था कि इस बीमारी का वाहक सूअर है। इस निष्कर्ष का आधार यह था कि कुल 265 लिखित मामलों में से 90 प्रतिशत ऐसे किसान थे जो सुअरों के संपर्क में रहते थे। ऐसे में मान लिया गया कि इस बीमारी के वाहक सूअर ही है। उस समय इस वायरस के संक्रमण से तकरीबन 105 लोगों की जान गयी थी। याद होगा गत वर्ष पहले मलेशिया में 600 से अधिक लोग संक्रमित हुए थे और तीन सैकड़ा से अधिक लोगों की मौत हुई थी। ध्यान रहे कि 1998 में मलेशिया में हुए वायरस इंफेक्शन से निपटने के लिए मलेशिया सरकार ने आर्मी की मदद लेकर देश भर के सुअरों को मार दिया था। इसके बाद ही संक्रमण के मामले में कमी आयी। तथ्य यह भी कि सुअर पालन करने की फर्म से तेजी से वायरस इंफेक्शन होने के कारण करीब एक दशक से ज्यादा समय इससे निपटने में लगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस वायरस का इंफेक्शन सबसे ज्यादा दिसंबर और मई में होता है। लेकिन यहां यह भी ध्यान रखना होगा मलेशिया के बाद जहां-जहां इस वायरस का फैलाव देखा गया, इस वायरस को लाने-ले जाने वाले कोई माध्यम नहीं थे। वर्ष 2004 में बांगलादेश में कुछ लोग इस वायरस की चपेट में आए थे। बताया गया कि इन लोगों ने खजूर के पेड़ से निकलने वाले तरल पदार्थ को चखा था और इस तरल तक वायरस को ले जाने वाली चमगादड़ थी, जिन्हें फ्रूट बैट कहा जाता है। चिकित्सकों का कहना है कि चमगादड़ एक प्राकृतिक वाहक है और इसकी लार एवं मल-मूत्र से इस वायरस का फैलाव होता है। यह संभव है कि केरल में भी निपाह वायरस का फैलाव का माध्यम चमगादड़ ही हो। पड़ोसी देश बांग्लादेश में हर वर्ष निपाह वायरस फैलता है और कई लोगों की जान जाती है।

इस वायरस से पीड़ित आमजन का भी उत्तरदायित्व है कि वे सतर्कता बरतते हुए लोगों से मिलने-जुलने से बचें। उम्मीद है कि केंद्र व केरल सरकार इस जानलेवा निपाह वायरस से निपटने के लिए युद्ध स्तर पर तैयारी तेज करेगी और पीड़ित लोगों को अपनी जिंदगी से हाथ नहीं धोना पड़ेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

हाय रे लाल टमाटर!

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

घर की काम वाली बाई ने बताया कि बड़ी मण्डी में टमाटर बीस रूपये किलो बिक रहा है तो मुंह में पानी आ गया, क्योंकि पिछले पंद्रह दिनों से सलाद में टमाटर गायब था। मैंने बच्चे से कहा -'यार टिंकू, गाड़ी निकाल मण्डी से टमाटर लाएंगे।' वह बोला -'पापा, टमाटर में गाड़ी क्या करेगी? अपनी स्कूटी ले जाओ और ले आओ टमाटर। कोई गाड़ी भरकर टमाटर थोड़े ही लाना है। एक थैले में आ जाएगा टमाटर।' मैं बोला -'तू समझता नहीं, अस्सी रूपए किलो का टमाटर है। मंडी में भीड़-भाड़ रहती है। थैला हाथ से छूट गया या गाय ने सींग मार दिया तो टमाटर खरीदना, नहीं खरीदना बराबर हो जाएगा।' मन मारकर वह तैयार हो गया।

मंडी पहुंचे तो एक सब्जी विक्रेता के पास सड़ा-गला सा टमाटरों का ढेर देखा तो, वही टमाटर सलादी और रसदार लगा। मैंने भाव पूछा तो विक्रेता ने बताया कि टमाटर पचास रूपये लगा देंगे। मैंने मन में सोचा- चलो तीस रूपए किलो का फायदा है। सब्जी और सलाद के लिए यह बुरा नहीं है। बच्चा मेरी बात समझ गया, बोला -'क्या ले रहे हैं पापा। ये सड़े हुए टमाटर हैं। बदबू मार रहे हैं, आगे चलो ताजा टमाटर लेंगे। मैंने कहा भी कि यार पचास में बुरे नहीं है। वह नहीं माना, हम आगे बढ़े तो टमाटर गायब था। पचासों दुकानों पर उसे तलाशा, लेकिन वह नहीं मिला। मैं बोला -'टिंकू, मैंने कहा नहीं था, वहीं से ले लो। वही ठीक है। अब पता नहीं वह भी मिलेगा या नहीं?'

थक-हार कर हम दोनों फिर उसी दूकान पर आ गये। टमाटरों को जस का तस देखकर मन को तसल्ली हुई। मैंने कहा -'भाई पाँच किलो तोल दो।' बच्चा बोला -'पांच दिन में इससे घर की हालत दुर्गन्ध के कारण बहुत बुरी होगी। क्योंकि यह पहले ही सड़ा हुआ है। चार-पांच दिनों में तो यह और सड़ जाएगा।' मैंने कहा -'अस्सी का पचास में मिल रहा है, गाड़ी लेकर आये हैं। पैट्रोल का खर्चा पांच किलो में ही निकलेगा। नहीं होने से तो काना मामा ही भला होता है।' यह कहकर मैंने पांच किलो तुलवा कर थैले में भरा और सावधानी से गाड़ी में धर दिया। सीना गर्व से फूला जा रहा था कि आज तो सलाद में टमाटर होगा। सामान्य आदमी के लिये टमाटर सेव की जगह होता है। टमाटर का थैला घर में लाकर रखा तो पत्नी ने नाक बंद कर ली और बोली- 'क्या लाए हो। जिससे दिमाग तक सड़ गया है। बच्चे ने ही जवाब दिया-'सड़ा हुआ टमाटर।' पत्नी ने थैला खोला तो दुर्गन्ध और फैली और वह बोली-'इससे तत्काल बाहर कूड़ेदान में डालो, वरना सारा घर बीमार हो जाएगा।

X

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
विधानसभा सत्र पूरा होते ही प्रदेश में भर्तियां ही भर्तियां निकलेंगी। युवाओं को पूरी तरह से सरकारी नौकरियों का मौका मिलेगा। युवाओं को रोजगार से जोड़ने का भी काम करेंगे और सरकारी नौकरी देने का भी काम करेंगे। राजस्थान आने वाले समय में समृद्धियों को छुएगा। एक मजबूत राजस्थान और विकसित राजस्थान बनेगा। ERCP परियोजना का माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी शिलान्यास करेंगे और उद्घाटन भी मोदी जी ही करेंगे।

दीया कुमारी, उपमुख्यमंत्री, राजस्थान
@KumariDiya
किसानों को सिंचाई हेतु पानी एवं बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही भाजपा सरकार..!

डॉ. सतीश पूनियां, भाजपा नेता
@DrSatishPoonia
राष्ट्रवाद के विचार को ताकत एवं हरियाणा की तरक्की को निरंतर रफ्तार मिल सकती है तो वह हरियाणा की प्रचंड जीत से मिलेगी और उसमें बूथ कार्यकर्ता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी।

नॉलेज कॉर्नर: कावड़ यात्रा की परंपरा... कथा और मान्यताएं

भगवान परशुराम थे पहले कावड़ यात्री

सावन मास के साथ ही कावड़ यात्रा की भी शुरुआत हो चुकी है और सावन शिवरात्रि तक कावड़ यात्रा चलेगी। कावड़ यात्रा को लेकर क्या नियम हैं और सबसे पहले किसने कावड़ यात्रा की शुरुआत की थी। सनातन धर्म में सावन माह का बहुत महत्व है, खासकर भगवान शिव की आराधना का यह महीना होता है। इस दौरान देश-विदेश के करोड़ों शिव भक्त देवभूमि हरिद्वार के गंगातट पर जाते हैं और कलश में गंगाजल भरते हैं और उसे कावड़ पर बांध कर कंधों पर लटका कर अपने अपने क्षेत्र के शिवालय में लाते हैं और शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित करते हैं। कावड़ यात्रा को लेकर शिवभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिलता है। आज के नॉलेज कॉर्नर में विस्तार से जानते हैं कावड़ के बारे में...

कावड़ यात्रा को लेकर हैं कई मान्यताएं

मान्यताओं के अनुसार, भगवान परशुराम ने सबसे पहले कावड़ यात्रा की शुरुआत की थी। परशुराम गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर आए थे और यूपी के बागपत के पास स्थित 'पुरा महादेव' का गंगाजल से अभिषेक किया था। उस समय सावन मास ही चल रहा था, इसी के बाद से कावड़ यात्रा की शुरुआत हुई। आज भी इस परंपरा का पालन किया जा रहा है। लाखों भक्त गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर जाते हैं और पुरा महादेव पर जल अर्पित करते हैं। वहीं, एक मान्यता यह भी है कि

आनंद रामायण के अनुसार भगवान राम पहले कावड़िया थे। भगवान राम ने बिहार के सुल्तानगंज से गंगाजल भरकर देवघर स्थित बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया था। उस समय सावन मास चल रहा था। प्राचीन ग्रंथों में रावण को पहला कावड़िया बताया है। रावण ने महादेव को नकारात्मक शक्तियों से मुक्त के लिए रावन ने ध्यान किया और गंगाजल भरकर 'पुरा महादेव' का अभिषेक किया, जिससे महादेव नकारात्मक ऊर्जाओं से मुक्त हो गए थे। तभी से कावड़ यात्रा की परंपरा भी प्रारंभ हो गई।

श्रवण कुमार का भी है कावड़ में उल्लेख

कुछ विद्वान का मानना है कि सबसे पहले त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने पहली बार कावड़ यात्रा शुरू की थी। श्रवण कुमार ने अंधे माता पिता को तीर्थ यात्रा पर ले जाने के लिए कावड़ बैठया था। श्रवण कुमार के माता पिता ने हरिद्वार में गंगा स्नान करने की इच्छा प्रकट की थी, माता पिता की इच्छा को पूरा करने के लिए श्रवण कुमार कावड़ में ही हरिद्वार ले गए और उनको गंगा स्नान करवाया। वापसी में वे गंगाजल भी साथ लेकर आए थे। बताया जाता है कि तभी से कावड़ यात्रा की शुरुआत हुई थी।

कावड़ यात्रा को लेकर पांचवीं

मान्यताओं में बताया गया है कि समुद्र मंथन के दौरान जब महादेव ने हलाहल विष का पान कर लिया था, तब विष के प्रभावों को दूर करने के लिए भगवान शिव पर पवित्र नदियों का जल चढ़ाया गया था। ताकि विष के प्रभाव को जल्दी से जल्दी कम किया जा सके।

कंटेंट: प्रताप सिंह नेगी

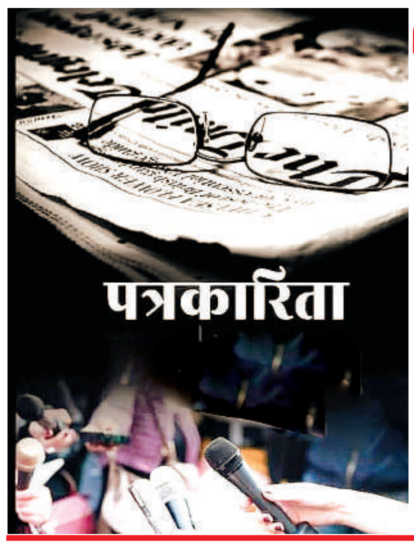

केंद्र के इनकार के बाद राजद ने जदयू पर जमकर साधा निशाना... कहा- संसद व सड़क दोनों पर करेंगे मांग... केंद्र ने कहा -

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की योजना नहीं, मानदंड नहीं होते पूरे

एजेंसी | नई दिल्ली/पटना

केंद्र की मोदी सरकार ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से इनकार कर दिया है। संसद में सोमवार को बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग उठी, लेकिन सरकार ने ऐसे किसी भी योजना से इनकार कर दिया है। इस पर राजद ने जनता दल (यू)जमकर निशाना साधा है और कहा कि बिहार को विशेष राज्य और विशेष पैकेज दोनों ही चाहिए। ज्ञात रहे कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा अन्य पार्टियां भी लंबे समय से बिहार को विशेष

दर्जा दिए जाने की मांग करते रहे हैं। बिहार के झंझारपुर से जदयू सांसद रामप्रीत मंडल ने वित्त मंत्रालय से सवाल किया कि क्या सरकार के पास बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की कोई योजना है। इस पर वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लिखित जवाब में इससे इनकार कर दिया। जवाब में कहा गया है कि राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) की ओर से योजना सहायता के लिए कुछ राज्यों को विशेष दर्जा दिया गया था, जिन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत थी। इनमें पहाड़ी और दुर्गम जमीन पर होना, कम जनसंख्या घनत्व होना या बड़ी संख्या में आदिवासी आबादी होना, पड़ोसी देशों के साथ सीमाओं पर रणनीतिक स्थान, आर्थिक और इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में पिछड़े राज्य शामिल हैं। जवाब में कहा गया है कि पहले अंतर मंत्रिमंडलीय समूह (आईएमजी) की तरफ से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के अनुरोध पर विचार दिया गया था। इसने 30 मार्च 2012 में रिपोर्ट सौंप दी थी। समूह इस निष्कर्ष पर पहुंचा था कि मौजूदा एनडीसी मानदंडों के आधार पर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का मामला नहीं बनता है। मानसून सत्र शुरू होने से पहले राजग की बैठक में भी जेडीयू के राज्य सभा सांसद संजय कुमार झा ने भी बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग को उठाया है।

राजद का जदयू पर हमला

राजद नेता मनोज झा ने सोमवार को राज्यसभा में बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा के साथ-साथ विशेष पैकेज देने की भी मांग उठाई और कहा कि इसके लिए उनकी पार्टी संसद से सड़क तक संघर्ष करेगी। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए झा ने एनडीए सरकार की प्रमुख सहयोगी जदयू पर भी निशाना साधा और कहा कि विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज की मांग में 'या' के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा, विशेष राज्य का दर्जा भी चाहिए और विशेष पैकेज भी चाहिए। हमें दोनों चाहिए। संसद में मांगेंगे, सड़क पर मांगेंगे।

सर्वदलीय बैठक में भी उठा मामला

ज्ञात रहे कि बजट सत्र से एक दिन पहले रविवार को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इस बैठक में विशेष तौर पर जदयू ने बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग की। जीतन राम मांझी की हम और चिराग पासवान की एलजेपी ने भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा की मांग की है।बिहार प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने भी रविवार को कहा कि संसद के बजट सत्र में राज्य के एनडीए नेताओं को बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग करनी चाहिए।

संसद सत्र: विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक आज

नई दिल्ली। संसद सत्र को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया की केंद्र सरकार को घेरने के लिए रणनीति तय करने पर मंगलवार को एक अहम बैठक होगी। बैठक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर होगी। वहीं इससे पहले सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के आवास पर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने बैठक की। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में मानसून सत्र के लिए कांग्रेस नेताओं ने अपनी रणनीति पर चर्चा की और नीट-यूजी पेपर लीक मामले, अग्निवीर योजना और मणिपुर हिंसा से संबंधित मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाने का फैसला किया। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी, लोकसभा में उपनेता गौरव गोगोई, राज्यसभा में मुख्य सचेतक जयराम रमेश समेत अन्य नेता सोनिया गांधी के 10 जनपथ मौजूद आवास पर पार्टी की संसदीय रणनीति समूह की बैठक में शामिल हुए थे।

JDS नेता सूरज रेवन्ना को मिली सशर्त जमानत

बेंगलुरु। यौन शोषण मामले में फंसे प्रज्वल रेवन्ना के भाई और जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) नेता सूरज रेवन्ना को बेंगलुरु की एक अदालत से सशर्त जमानत मिली है। सूरज रेवन्ना पर जेडीएस के पुरुष कार्यकर्ता के अप्राकृतिक यौन शोषण का आरोप है। रेवन्ना को 23 जून को गिरफ्तार किया गया था। सूरज रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के भतीजे हैं। उन्होंने खुद पर लगे सभी आरोपों का खंडन किया था। सूरज ने यह भी आरोप लगाया था कि शिकायतकर्ता ने उनसे पांच करोड़ रुपए की जबरन वसूली के लिए झूठी शिकायत दर्ज कराई थी।

लोकसभा चुनाव के नतीजों व विस चुनाव पर होगी मंत्रणा

भाजपा की संगठनात्मक बैठक 25 से, 3 राज्यों पर होगा फोकस

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने दो दिवसीय संगठनात्मक बैठक बुलाई है। यह बैठक गुरुवार 25 जुलाई से शुरू होगी। बताया जा रहा है कि इस बैठक में विभिन्न राज्यों के चुनावी मुद्दों, संगठनात्मक ढांचे की मजबूती और मतदाताओं तक पहुंच बनाने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा होगी। बैठक ऐसे समय में होने जा रही है जब झारखंड, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे तीन राज्यों में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। तीन राज्यों में से दो में वर्तमान में भाजपा और उसके सहयोगी दलों की सरकार है। इस बैठक में इन तीनों राज्यों के नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। इन तीन राज्यों के अलावा जम्मू कश्मीर में भी सितंबर में चुनाव होने की उम्मीद है।

बैठक में हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव पर भी चर्चा होने की उम्मीद है, क्योंकि इन चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन उम्मीद से काफी नीचे रहा है। हालांकि पार्टी पहले ही चिंतन शिविर आयोजित कर चुकी है, लेकिन इस बात की चिंता है कि आने वाले विधानसभा चुनावों में इस तरह की गलतियों से कैसे बचा जा सके।

बता दें कि लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा का उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं होने के कारण पहले से ही मंथन एवं समीक्षाओं का दौर चल रहा है। इसके अलावा, संगठन एवं सरकार में बड़ा कौन मुद्दा भी गर्माया हुआ है। इन सबके बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पिछले दिनों यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि इस दौरान चौधरी ने राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस राज्य में पार्टी के संगठनात्मक मामलों से संबंधित कई मुद्दों से प्रधानमंत्री को अवगत कराया था।

सीएम शिंदे ने की शरद पवार से मुलाकात

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सोमवार को वरिष्ठ नेता शरद पवार से मुलाकात करने पहुंच गए। अचानक हुई इस मीटिंग ने राज्य का सियासी पारा चढ़ गया है। ज्ञात रहे कि दोनों नेताओं के बीच बैठक ऐसे समय पर हुई है, जब एक दिन पहले ही अमित शाह ने शरद पवार को भ्रष्टाचार का सरगना कहा था। शिवसेना प्रमुख शिंदे और राकांपा(एसपी) प्रमुख पवार के बीच मुलाकात को लेकर एक अधिकारी ने कहा कि यह बैठक मालाबार हिल इलाके में राज्य सरकार के गेस्ट हाउस सह्याद्री में हुई और इस दौरान सिंचाई, दूध की कीमतों और चीनी मिलों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

यूपी में कम सीटें मिलने पर उठ रहे हैं सवाल

लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन के मुकाबले कम सीटें पाने के बाद भाजपा के भीतर अलग-अलग आवाजें उठ रही हैं। इन सबके बीच चौधरी और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गत दिनों पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से अलग-अलग मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मौर्य के बीच मतभेदों की खबरों को तब हवा लगी जब मौर्य ने 14 जुलाई को लखनऊ में हुई पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में कहा कि संगठन हमेशा सरकार से बड़ा होता है। उनके बयान को आदित्यनाथ पर हमले के रूप में देखा गया।

संगठन में खामियों को दुरुस्त करने के जारी हैं प्रयास

नड्डा ने भी इस बैठक में भाग लिया था, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में चुनावी हार के लिए अति आत्मविश्वास को भी परोक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराया था और कहा था कि पार्टी विपक्षी गठबंधन इंडिया के प्रचार अभियान का प्रभावी ढंग से मुकाबला नहीं कर सकी। बहरहाल, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से मौर्य और चौधरी से बात करने की पहल को आगामी चुनावों से पहले संगठन में खामियों को दुरुस्त करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। लोकसभा चुनाव में विपक्ष के प्रदर्शन और भाजपा को लगे झटके के बाद संगठन में चल रही खींचतान भाजपा के लिए चिंता का सबब बनी हुई है क्योंकि 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से भाजपा के एक प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में उभरने में उत्तर प्रदेश का बड़ा योगदान माना जाता है।

किसान आंदोलन 2-0 रहेगा जारी

एक अगस्त से 15 सितंबर तक होंगे विरोध प्रदर्शन और रैलियां

एजेंसी | नई दिल्ली

संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा ने केंद्र सरकार के खिलाफ किसान आंदोलन-2 को जारी रखने का ऐलान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस को ट्रैक्टर मार्च निकालने की घोषणा की है। साथ ही किसानों ने हरियाणा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की भी घोषणा की है। किसानों ने कहा है कि वे नए आपराधिक कानूनों की प्रतियां भी जलाएंगे। किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर ने किसानों के मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ 1 अगस्त से 15 सितंबर तक किसान आंदोलन-2 का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 1 अगस्त को मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा और 15 अगस्त को पूरे भारत में ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। वहीं, किसान आंदोलन-2 के तहत नए आपराधिक कानून की प्रतियां जलाई जाएंगी और सितंबर में दो बड़ी रैलियां की जाएंगी। ज्ञात रहे कि दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में रविवार को संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा के किसान मजदूर राष्ट्रीय सम्मेलन में किसानों की समस्याओं और मांगों पर चर्चा की गई थी। इसके बाद

यूं चलेगा किसान आंदोलन

- **1 अगस्त**- सरकार के खिलाफ प्रदर्शन
- **15 अगस्त**- मोदी सरकार के खिलाफ ट्रैक्टर मार्च
- **31 अगस्त**- 13 फरवरी के विरोध प्रदर्शन के 200 दिन पूरे होने के मौके पर प्रदर्शन
- **1 सितंबर**- उत्तर प्रदेश के संभल में किसानों की रैली
- **15 सितंबर**- हरियाणा के जींद में किसान रैली
- **22 सितंबर**- हरियाणा के पीपली में किसानों की रैली

ही यह घोषणा की गई है। बैठक में एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग की गई। किसान नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम 31 अगस्त को भी विरोध प्रदर्शन करेंगे, क्योंकि हमारे शुरुआती विरोध प्रदर्शन को 200 दिन पूरे हो रहे हैं। हम सितंबर में जींद में रैली करेंगे और सितंबर में ही हरियाणा के पीपली में रैली करेंगे। उन्होंने कहा, हमने एमएसपी गारंटी को कानूनी बनाने की मांग की है। सरकार का कहना है कि इससे अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा, लेकिन हमने आर्थिक जानकारों से बात की है और उन्होंने कहा है कि यह सच नहीं है।

पश्चिम बंगाल: शपथ ग्रहण पर नहीं थम रहा विवाद, गर्वनर ने कहा -

TMC के दो MLA का शपथ ग्रहण असंवैधानिक

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल में तृणमूल के दो विधायक सायंतिका बनर्जी और रेयात हुसैन सरकार के शपथ ग्रहण को लेकर विवाद थम ही नहीं रहा है। दोनों विधायकों को लिखे पत्र में राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि उन्होंने शपथ असंवैधानिक तरीके से ली है। राज्यपाल बोस ने कुल 37 मुद्दों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को राज्यपाल को शपथ दिलाने से रोकने का कोई अधिकार नहीं है।

पत्र में, बोस ने सायंतिका-रेयात से यह बताने के लिए कहा है कि उनकी शपथ किसने पढ़ी। उन्होंने यह भी बताया कि अगर उपसभापति

उनके निर्देशानुसार शपथ नहीं पढ़ते हैं तो यह असंवैधानिक है। जानकारी के मुताबिक, इस मामले में दोनों विधायकों पर 500 रुपए का जुर्माना लग सकता है, इसकी भी जानकारी पत्र में दी गई है। सयंतिका ने कहा कि वह इस मामले की जानकारी स्पीकर को देंगी।

उपचुनाव में बरहनगर से जीतने वाली सायंतिका और भागबंगोला निर्वाचन क्षेत्र से जीतने वाले रेयात को 5 जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने शपथ दिलाई थी। हालांकि, राज्यपाल बोस ने उपसभापति आशीष बनर्जी को शपथ दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। बोस ने पत्र में कहा कि विधायकों के शपथ ग्रहण के संबंध में राज्यपाल के आदेश का अनुपालन नहीं करना संसदीय प्रक्रिया और संवैधानिक प्रक्रिया के खिलाफ है। संयोग से, दोनों विधायकों को शपथ दिलाने के बाद बिमान ने कहा था कि राज्यपाल का पत्र स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि विधानसभा सत्र चल रहा है।

आरएसएस: खरगे ने किया बैन हटाने का विरोध, कहा...

कर्मचारियों को बांटने का प्रयास

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की गतिविधियों में शामिल होने पर लगे प्रतिबंध को हटाने के केंद्र सरकार के फैसले पर कांग्रेस व आरएसएस के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा है कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा में अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पाने की खीज का नतीजा है और ऐसा कर वह कर्मचारियों को विचारधारा के आधार पर विभाजित करना चाहते है। खरगे ने सोमवार को कहा कि आरएसएस ने तिरंगे का विरोध किया था

और महात्मा गांधी की हत्या के बाद इस पर प्रतिबंध लगा दिया था। बाद में सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा था लेकिन पीएम मोदी ने करीब छह दशक के बाद इस प्रतिबंध को हटाकर लोकसेवकों को न केवल विचारधारा के आधार पर बांटने का काम किया है, बल्कि उनकी निष्पक्षता तथा संविधान के सर्वोच्च होने के भाव को संदेहास्पद बना दिया है।

लोकतंत्र व्यवस्था को मजबूत करने वाला फैसला: संघ

दूसरी ओर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने रोक हटाये जाने की सराहना करते हुए कहा है कि यह निर्णय भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने वाला है। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गत 99 वर्षों से राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता-अखंडता एवं प्राकृतिक आपदा के समय में समाज को साथ लेकर संघ के योगदान के चलते समय-समय पर देश के विभिन्न प्रकार के नेतृत्व ने संघ की भूमिका की प्रशंसा भी की है।

नीट पेपर लीक मामले में लोकसभा में हंगामा

परीक्षा प्रणाली में बहुत खामियां, आप अमीर हैं तो खरीद सकते हैं: राहुल

- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नेता प्रतिपक्ष के आरोपों को किया खारिज

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा में मानसून सत्र के दौरान सोमवार को नीट पेपर लीक मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। इस मुद्दे पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और द्रमुक जैसी विपक्षी पार्टियों ने सरकार को जमकर घेरा और नीट एग्जाम रद्द करने की मांग की। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के लाखों छात्रों से जुड़े मुद्दे पर कुछ नहीं हो रहा है। यह बेहद चिंता का विषय है। भारत की

परीक्षा प्रणाली बकवास है। विपक्ष के नेता के इस बयान पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शिक्षा सुधार के लिए 2010 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार की ओर से लाए गए बिल को लेकर पलटवार किया। उन्होंने कहा, सिर्फ चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता। विपक्ष के नेता का यह कहना कि देश की परीक्षा प्रणाली बकवास है, बेहद निंदनीय है। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान नीट के विषय पर पूरक प्रश्न पूछते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, परीक्षा प्रणाली में बहुत खामियां हैं। मंत्री ने अपने आपको छोड़कर, सबको जिम्मेदार ठहराया है। मुझे नहीं लगता कि जो चल रहा है, उसकी बुनियादी जानकरी भी उन्हें है। उन्होंने दावा किया कि करोड़ों छात्र आज चिंतित हैं तथा उन्हें इस बात का यकीन हो गया है कि भारतीय परीक्षा प्रणाली एक 'फ्रॉड' है। उन्होंने कहा, करोड़ों लोगों का मानना है कि अगर आपके पास पैसा है, आप अमीर हैं तो आप भारतीय परीक्षा प्रणाली को खरीद सकते हैं। यही भावना विपक्ष की भी है। उन्होंने कहा कि अगर नीट पेपर लीक होना सिस्टम की चूक थी तो उसे सुधारने के लिए क्या किया गया?

प्रधान ने कांग्रेस को घेरा, शिक्षा बिल 2010 लागू न करने पर पूछे सवाल

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस बयान पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भड़क गए। उन्होंने कहा, मेरी शिक्षा संस्कार का सार्टिफिकेट मुझे किसी से नहीं चाहिए। मेरे लोगों ने मुझे चुनकर भेजा है। मेरे प्रधानमंत्री ने मुझे ज़िम्मेदारी दी है। पूरी परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाना सही नहीं है। राहुल गांधी का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं देश की परीक्षा प्रणाली को बकवास कहने की निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि 2010 में कांग्रेस सरकार में शिक्षा मंत्री कपिल सिब्बल शिक्षा सुधार को लेकर तीन बिल लाए थे। जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुचित प्रथाओं जैसे कैपिटेशन शुल्क की मांग करना, योग्यता बिना छात्रों को प्रवेश देना, शुल्क की रसीद जारी न करना, छात्रों को गुमराह करने से रोकना शामिल था। तो किसके दबाव में कांग्रेस सरकार और नेता विपक्ष ने बिल लागू नहीं होने दिया और हमसे प्रश्न पूछते हैं। हमारी सरकार परीक्षा प्रणाली को बेहतर करने और निजी संस्थानों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अखिलेश के प्रहार पर प्रधान का पलटवार

सपा सांसद अखिलेश यादव ने सरकार को घेरते हुए कहा कि यह सरकार कोई और रिकॉर्ड बनाए या नहीं लेकिन पेपर लीक का का रिकॉर्ड जरूर बनाएगी। सच्चाई लगातार सामने आ रही है। लोग पकड़े जा रहे हैं। जेल भेजे जा रहे हैं। उन्होने कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या सेंटर के हिसाब से जिन बच्चों को सबसे ज्यादा नंबर मिले, उनकी सूची जारी करेंगे। इस पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पेपर लीक के कोई साफ सबूत नहीं हैं। उन्होंने अखिलेश यादव का उल्लेख करते हुए कहा कि ये जब यूपी में सरकार चला रहे थे तो पूरी सूची है कि कितने पेपर लीक हुए। पूरे देश के छात्र इस मामले को लेकर आंदोलित हैं। प्रधान ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में केस चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि सभी की सूची वेबसाइट पर जारी कर दें। पिछले तीन दिन से सभी की सूची पब्लिकल डोमेन में है। ये सारी चीजें एकदम खुली हुई हैं। केरल के उम्मीदवारों ने भी अच्छा किया, तो क्या इस पर भी कहेंगे कि वहां भी गड़बड़ी हुई है। देश के ग्रामीण इलाके, देश के एससी-एसटी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। क्या हम उनकी मेधा को चुनौती दे रहे हैं? धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मेरा रुख शुरू से साफ है कि इस मामले पर राजनीति नहीं करना है। लेकिन जब अखिलेश यादव यूपी में सरकार चला रहे थे तो पूरी सूची है कि कितने पेपर लीक हुए।

जरूरी खबर

NTA ने 2018 से अब तक 16 परीक्षाएं स्थगित की

नई दिल्ली। अलग-अलग कारणों से चर्चा में बने रहने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी अब फिर से सुर्खियों में आ गया है। डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि के सवाल के जवाब में शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बताया कि साल 2018 में अपनी स्थापना के बाद से एनटीए ने विभिन्न कारणों से अब तक 16 परीक्षाएं स्थगित की हैं। मजूमदार ने बताया कि एनटीए ने अब तक 240 से अधिक परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की हैं, जिसमें 5.4 करोड़ से अधिक छात्र शामिल हुए हैं। उन्होंने बताया कि एनटीए इस तरह की कई परीक्षाओं का भी आयोजन करता है, जो कई पालियों में और कई दिनों तक चलती हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी, तकनीकी, प्रशासनिक, कानूनी आदेशों के कारण ये परीक्षाएं स्थगित की गई हैं।

पूजा खेडकर की मां को न्यायिक हिरासत में भेजा

पुणे। पुणे की एक विशेष अदालत ने किसान को बंदूक दिखाकर धमकाने के मामले में मनोरमा खेडकर को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मनोरम खेडकर विवादों में घिरी आईएएस पूजा खेडकर की मां हैं। पूजा खेडकर की नियुक्ति भी सवालों के घेरे में और उनपर भी विशेषज्ञ समिति की जांच चल रही है जबकि यूपीएससी ने एफआईआर भी दर्ज कराई है। मनोरमा खेडकर को सोमवार को अदालत में पेश किया गया। जहां प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

दो महिलाओं को जिंदा गाड़ने के केस में रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के रीवा में एक जमीन विवाद को लेकर दबंगों द्वारा दो महिलाओं को जिंदा गाड़ने के मामले में अब राष्ट्रीय महिला आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने इस मामले में राज्य के डीजीपी को एक पत्र लिख कर विस्तृत रिपोर्ट की मांग की है। आयोग को इस पूरे मामले पर तीन दिन के अंदर कार्रवाई रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है। ज्ञात रहे कि यह जमीन विवाद में दबंगों ने दो महिलाओं पर मुरम से भरा ट्रक उंडेल दिया था। इससे एक महिला गले तक और दूसरी कमर तक मुरम में धंस गई। लोगों ने समय रहते ही दोनों महिलाओं को बाहर निकाल लिया।

बजट टीम के साथ वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को संसद में वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तुत करेंगी। इससे पहले सोमवार को सीतारमण और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी नई दिल्ली में केंद्रीय बजट को अंतिम रूप देने वाली पूर्ण बजट टीम के साथ एक समूह चित्र में।

अभिनव बिंद्रा को मिलेगा ओलंपिक ऑर्डर सम्मान

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनकी उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार समारोह ओलंपिक के समापन से एक दिन पहले 10 अगस्त को पेरिस में आईओसी सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा। आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाच ने बिंद्रा को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। ओलंपिक ऑर्डर आईओसी का सर्वोच्च पुरस्कार है, जो ओलंपिक आंदोलन में विशिष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। यह उस व्यक्ति को दिया जाता है जिसने अपने कार्यों से ओलंपिक आदर्श को दर्शाया हो, खेल जगत में उल्लेखनीय योग्यता हासिल की हो, या ओलंपिक के लिए अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि या खेल के विकास में अपने योगदान के माध्यम से उत्कृष्ट सेवाएं दी हों।

कांवड़ मार्ग: दुकान मालिकों के नाम प्रदर्शित करने पर रोक, SC ने कहा...

दुकान मालिक आइटम्स की सूची दें बताएं- भोजन शाकाहारी है या नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटल, ढाबा, फल और खान-पान की दुकानों पर मालिक का नाम लिखने के योगी आदित्यनाथ सरकार के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के साथ ही मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को भी नोटिस जारी किया है और शुक्रवार 26 जुलाई तक जवाब मांगा है। मामले में अगली सुनवाई इसी तिथि को होगी। साथ ही कोर्ट ने कहा कि रेस्टोरेंट, ढाबा, या खानपान का सामान बेचने वालों को यह बताना चाहिए कि वे कांवड़ियों को किस तरह का भोजन परोस रहे हैं।

जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने खानपान की दुकानों के मालिकों व कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। इस तरह अदालत ने साफ किया कि कांवड़ रूट पर पड़ने वाली दुकानों के मालिकों को नाम नहीं बताने होंगे, लेकिन उन्हें यह जरूर बताना होगा कि वह क्या खाना देते हैं और वह पूरी तरह शाकाहारी है अथवा नहीं। उन्हें अपने रेस्तरां में पेश किए जाने वाले आइटम्स की सूची देनी होगी। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि वे जो परोस रहे हैं, वह शाकाहारी है अथवा नहीं। इस मामले में टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा, राजनीतिक टिप्पणीकार अपूर्वानंद झा, स्तंभकार आकार पटेल समेत कई लोगों ने अर्जियां दाखिल की थीं। याचियों की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी, हुजेफा अहमदी, सीयू सिंह ने दलीलें दीं। याचियों के वकील ने कहा कि कौन कैसा खाना खाता है या खाना चाहता है, यह उसका अधिकार है। कोई शाकाहारी खाना चाहे तो उसे मांसाहारी नहीं दिया जा सकता। लेकिन वह शाकाहारी खाना कौन बना रहा है। यह जानना गलत है और उस पर रोक लगाना तो छुआछूत को बढ़ावा देने जैसा है।

आदेश धार्मिक आधार पर भेदभाव: सिंघवी

अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि कांवड़ यात्रा दशकों से होती आ रही है कभी ऐसे आदेश नहीं हुए। हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध सभी कांवड़ियों की मदद करते हैं। स्वच्छता, शाकाहार, मांसाहार तक की बात सही है और लोग उसे प्रदर्शित भी करते हैं। लेकिन अगर किसी हिन्दू के शाकाहारी रेस्टोरेंट में मुस्लिम कर्मचारी है तो क्या मैं वहां जाकर खाना नहीं खाऊंगा क्योंकि उसे मुस्लिम ने छुआ है। खाद्य सुरक्षा और मानक कानून 2006 में लेबल में सिर्फ भोजन की कैलोरी और प्रकृति जैसे शाकाहार या मांसाहार प्रदर्शित करने की बात कही गई है। सिंघवी ने कहा कि आदेश धार्मिक आधार पर भेदभाव करता है और इससे अनुसूचित जाति व अल्पसंख्यकों के बहिष्कार की आशंका होगी। इसके चलते समुदाय विशेष के बहुत से लोगों को नौकरी गंवानी पड़ी है

नीट केस: विवादित सवाल का मामला

तीन सदस्यीय विशेषज्ञ समिति से मांगी रिपोर्ट आज देना होगा जवाब

एजेंसी | नई दिल्ली

नीट-यूजी पेपर लीक मामले की जांच में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आदेश दिया कि आईआईटी दिल्ली के डायरेक्टर तीन विशेषज्ञों की एक कमेटी का गठन करें। यह कमेटी परीक्षा में आए एक सवाल के सही जवाब पर राय दे। दरअसल एक ऐसे सवाल का मसला भी उठा है, जिसके दो सही उत्तर माने जा रहे हैं। ऐसे में अदालत ने विशेषज्ञों की एक समिति से ही इस पर जवाब मांग लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर मंगलवार को दोपहर 12 बजे तक जवाब मांगा है। इसके साथ ही मंगलवार तक के लिए सुनवाई भी टाल दी है। सोमवार को अदालत में दिलचस्प सुनवाई देखने को मिली। कोर्ट में याचियों के वकील नरेंद्र हुड्डा ने दलील दी कि एनसीईआरटी के एक सवाल के चलते 44 लोगों को टॉप रैंक मिल गई है। इस सवाल के दो जवाब सही माने जा रहे हैं। ऐसे में किसी एक जवाब को ही सही माना जाए और उस पर स्पष्टता होनी चाहिए।

घूसे केस में APSC के पूर्व अध्यक्ष समेत 32 दोषी

नई दिल्ली। असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष राकेश कुमार पॉल और 31 अन्य को एक विशेष अदालत ने नौकरी के लिए घूस लेने के आरोप में दोषी करार दिया है। मामला 2017 का है जब राज्य में कृषि विकास अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर धांधली सामने आई थी। इस मामले में नौकरी पाने में असफल रहे एक अभ्यर्थी ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद मामला दर्ज हुआ। इस मामले में जज ने दोषियों को फटकार लगाते हुए टिप्पणी की कि इंटरव्यू की पूरी प्रक्रिया को मजाक बना दिया गया।

एक को छोड़कर सभी कर्मियों को सुरक्षित बचाया, लापता नाविक की तलाश

INS ब्रह्मपुत्र: आग पर काबू, पोत एक ओर झुका

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस ब्रह्मपुत्र में रविवार शाम अचानक लगी आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया है। नौसेना ने बताया कि आग की घटना में युद्धपोत एक तरफ (बंदरगाह की तरफ) गंभीर रूप से झुक गया है। तमाम कोशिशों के बावजूद, जहाज को सीधा नहीं किया जा सका है। फिलहाल जहाज एक तरफ टिका हुआ है

यह हादसा तब हुआ जब ये युद्धपोत मुंबई में नौसेना के डॉकयार्ड में था। एक जूनियर नाविक को छोड़कर सभी कर्मियों का पता लगा लिया गया है। लापता नाविक की तलाश जारी है। नौसेना ने कहा कि जहाज पर नियमित रखरखाव कार्य करते समय जहाज के कर्मचारियों को आग का पता चला। इसके बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई। साथ ही नौसेना डाकयार्ड, मुंबई और आसपास की अन्य इकाइयों से अग्निशमन दल को भी इस अभियान में शामिल किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने की वजह का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए गए हैं।

रक्षा मंत्री को नौसेना प्रमुख ने दी जानकारी

एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को आईएनएस ब्रह्मपुत्र में आग लगने की घटना और इस घटना से हुए नुकसान से अवगत कराया है। जिस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना प्रमुख को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है और लापता नाविक की सुरक्षा के लिए प्रार्थना भी की है।

हिमंत बिस्वा सरमा ने की मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। सीएम सरमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बैठक के दौरान मैंने पीएम मोदी को असम में बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी दी और लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को कम करने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों से उन्हें अवगत कराया। मैंने विकास कार्यों की स्थिति पर भी चर्चा की।

आर्थिक सर्वेक्षण: धान, गेहूँ और बाजरा से नहीं बढ़ाई जा सकती है आमदनी

किसान फल-सब्जियों-डेयरी की ओर दें ध्यान

एजेंसी | नई दिल्ली

आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में कहा गया है कि धान, गेहूँ, बाजरा, दलहन और तिलहन पैदा करके छोटे किसानों की आय नहीं बढ़ाई जा सकती बल्कि उन्हें उच्च मूल्य वाली कृषि जैसे फल और सब्जियाँ, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, डेयरी और भैंस के मांस की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण में कहा कि कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन अर्थव्यवस्था की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है और पिछले पाँच वर्षों में यह औसतन 4.18 प्रतिशत की वृद्धि दर से बढ़ रहा है। किसानों की आय बढ़ाने में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन जैसे संबद्ध क्षेत्रों का महत्व बढ़ रहा है

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:-

- वर्ष 2023-24 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 2019-20 की तुलना में 20 प्रतिशत ऊंचा था, इस तरह की उपलब्धि केवल कुछ ही बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में दिखी है।
- भारत की आर्थिक वृद्धि 2024 -25 और उसके बाद के वर्षों में भी मज़बूत बने रहने की संभावना, भूराजनैतिक परिस्थितिओं, वित्तीय बाज़ारों की स्थिति और जलवायु परिवर्तन के संकट से इन संभावनाओं को खतरा हो सकता है।
- वर्ष 2023-24 की आर्थिक वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही, 2024-25 में वृद्धि 6.5 से 7.0 रहने की संभावना है।
- सरकार की पूंजी व्यय पर बल वैश्विक निवेश के बदौलत सकल पूंजी निर्माण में 2023-24 में नौ प्रतिशत वास्तविक वृद्धि।
- कंपनियों और बैंकों की बैलेंस शीट और मज़बूत होगी और निजी निवेश बढ़ेगा।
- खाद्य मुद्रा स्फीति दुनिया भर में चिंता का विषय।
- मुद्रास्फीति में मुख्यतः वैश्विक संकटों, आपूर्ति मार्ग की बाधाओं और मानसून की मार के कारण तेजी रही।
- मुद्रा स्फीति का प्रबंध कुशल प्रशासनिक क़दमों और मौद्रिक निति समबन्धी उपायों से किया गया, जिससे 2023-24 में औसत खुदरा मुद्रा स्फीति एक साल पहले के 6.7 प्रतिशत के मुकाबले 5.4 प्रतिशत पर आ गई।

सुरक्षा बलों ने तेज किया अभियान

जम्मू में आतंकियों के पास स्टील कोटेड चीनी गोलियां

एजेंसी | जम्मू

करीब 40 से 50 पाकिस्तानी आतंकवादियों का एक समूह कथित तौर पर जम्मू क्षेत्र के पहाड़ी जिलों के ऊपरी इलाकों में छिपा हुआ है। सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ने के लिए इन इलाकों में बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया है। क्षेत्र में घुसपैठ करने में सफल रहे ये आतंकवादी अत्यधिक प्रशिक्षित हैं और उनके पास कुछ सबसे आधुनिक और एडवांस हथियार भी हैं। इन हथियारों में नाइट विजन उपकरणों से सुसज्जित अमेरिकी निर्मित एम4 कार्बाइन राइफलें भी शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार आतंकवादियों के पास चीनी स्टील-कोटेड गोलियां भी हैं, जो बुलेटप्रूफ वाहनों को भेदने में सक्षम हैं। जम्मू संभाग में सक्रिय पाकिस्तानी आतंकवादी पहाड़ी और जंगलों में होने वाले युद्ध में भी माहिर हैं। वे अलग-अलग इलाकों में छोटे-छोटे समूहों में काम करते हैं।

खुफिया जानकारी मिलते ही सेना के जवानों ने आतंकवादियों को ट्रैक करने और उनका पीछा करने के लिए घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया है। इसके अलावा, सांबा में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरंग का पता लगाने का अभ्यास चल रहा है और आतंकवादियों के ओवर-ग्राउंड वर्कर्स पर कार्रवाई की जा रही है।

सैन्य चौकी पर हमले की कोशिश नाकाम

इससे पहले सोमवार को दिन में जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सेना के जवानों ने एक सैन्य चौकी और ग्राम रक्षा दल सदस्य (वीडीजी) के आवास पर आतंकवादी हमले की कोशिश सोमवार तड़के नाकाम कर दी। सेना के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में संलिप्त आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान चलाया और इस दौरान उनकी आतंकवादियों से मुठभेड़ हो गई।

मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर

वीडीजी के सदस्य के आवास पर हमला करने में शामिल आतंकवादी को मार गिराया गया है और इस घटना में एक जवान, एक नागरिक और वीडीजी का रिश्तेदार घायल हुआ है। सोमवार को हुआ आतंकवादी हमला हाल के दिनों में जम्मू क्षेत्र में हुई 14वीं घटना है, जिसमें दो अधिकारियों सहित 10 सुरक्षाकर्मियों और नौ तीर्थयात्रियों की जान गई है और 58 अन्य घायल हुए हैं। इस दौरान पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया है।

रवींद्र मंच पर अमेजिंग रंगमंच ग्रुप की ओर से नाटक 'क्लिनिक' का मंचन

लालच में डूब गया डॉक्टर... बना मानव अंगों का तस्कर, बेच डाला डोनेट ब्लड

बेधड़क | जयपुर

क्लिनिक खुलता है और मरीजों का आने का सिलसिला शुरू होता है। फिर सामने आती है मानव अंगों की तस्करी, जिसे कलाकारों ने बहतरीन ढंग से पेश करते हुए समाज में मैसेज दिए। मौका था आगाज द अमेजिंग रंगमंच ग्रुप की प्रस्तुति 'क्लिनिक' नाटक का। रवींद्र मंच पर हुए नाटक का निर्देशन डॉ. बुलबुल नायक ने किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से आजकल शहरों में गली-मोहल्ले में क्लिनिक्स की संख्या बढ़ रही है। जहां मरीजों का सही से इलाज नहीं होता।

फेल होने के बाद भी खोला क्लिनिक

नाटक में दर्शाया कि एक डॉक्टर है जिसे अधूरा ज्ञान है। वह डॉक्टर की पढ़ाई के दौरान फेल हो जाता है, लेकिन घर चलाने के लिए छोटा सा क्लिनिक खोल लेता है। उसके बाद भी डॉक्टर का सही से गुजारा नहीं होता। डॉक्टर बड़े अस्पतालों में जाकर बड़े डॉक्टर्स से अपनी जान-पहचान बनाता लेता है और अपने क्लिनिक में ब्लड कैंप लगाता है। बड़ी संख्या में लोग क्लिनिक आते हैं और ब्लड डोनेट करते हैं।

नाटक में यह दिया संदेश

नाटक में संदेश दिया गया है कि अगर किसी व्यक्ति को जानवर काट ले तुरंत अच्छे डॉक्टर से इलाज कराएं। सर्दी, बुखार, खासी, उल्टी अन्य बीमारी हो तो बड़े अस्पताल में दिखाए, क्योंकि सरकार ने बड़े सरकारी अस्पतालों में नि:शुल्क सेवाएं दी हैं। ब्लड डोनेट कैंप मे जाने से पहले जान लें कि कहीं आपका डोनेट किए हुए ब्लड का सौदा तो नहीं हो रहा है।

इन कलाकारों ने किया अभिनय

डॉ. बुलबुल नायक, खुशबू आसुदानी, मनन आसुदानी, देवांग सैनी, अनूप गुप्ता, करन सोनी, राजेश्वरी भातरा, सोनिया आचार्य, राकेश सोनी, हिमांशू सोनी, पदम मान, रोहित बुलानी।

शिविर का ब्लड पैसों में बेचा

पैसों के लालच मे डॉक्टर बड़े अस्पतालों को डोनेट किया हुआ ब्लड मोटे पैसों में बेच देता है। इसके बाद डॉक्टर का लालच और बढ़ जाता है। फिर एक दिन नेत्रदान का कैंप लगाया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में जनता नेत्रदान करने के लिए फॉर्म भरती है। डॉक्टर का लालच इतना हो जाता है कि मरीजों की किडनी, हार्ट, आखें, फेफड़े निकाल पैसों में बेचने लगता है और क्लिनिक का डॉक्टर मानव अंग तस्कर बन जाता है। बड़े-बड़े अस्पताल में डॉक्टर मानव अंगों की तस्करी करना शुरू कर देता है। मानव अंगों का व्यापार देश में तेजी से फैल चुका है।

गुदगुदाएगा 'चलता पुर्जा'

बेधड़क. जयपुर। हास्य धारावाहिक चलता पुर्जा का पहला शेड्यूल जगतपुरा में पूरा हुआ। धारावाहिक के निदेशक अनिल मारवाड़ी हैं। धारावाहिक के लेखक संतोष निर्मल और पीयूष कुलश्रेष्ठ हैं। इसमें राजेंद्र शर्मा राजू, मनोज स्वामी, रेनू, विनोद सागर गढ़वाल और चंद्रशेखर शर्मा महत्वपूर्ण भूमकाओं में नजर आएंगे।

752 यूनिट रक्त डोनेट

बेधड़क. जयपुर। राजधानी में तीन दिवसीय 'सेवा संकल्प महोत्सव' के समापन पर सर्व मंगल सेवा समिति व हेल्प एंड सर्व चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आर्य समाज मंदिर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 752 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर भाजपा नेता रवि नैय्यर ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि गुरुपूर्णिमा का पवित्र दिन है, इसलिए रक्तदान का महत्व ज्यादा है और किए गए रक्तदान से पुण्य अधिक प्राप्त होगा। शिविर में हेरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर, भाजपा भाजयुमो पूर्व प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी, वरिष्ठ नेता सुरेश पाटोदिया, पूर्व चेयरमैन अजय यादव, रोशन सैनी आदि मौजूद रहे। नय्यर को जन्मदिन की बधाई दी।dc

शिव मंदिर पार्क में लगाए पौधे

बेधड़क. जयपुर। वीमेन आर्ट औरा ग्रुप की ओर से जयपुर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रुप की महिला चित्रकारों ने शिवम नगर जगतपुरा के शिव मंदिर पार्क में पौधे लगाए। वीमेन आर्ट औरा की विनीता ने बताया कि जयपुर के अलग-अलग हिस्सों से ग्रुप की 25 महिला व पुरुष कलाकारों ने पौधे लगाए। वरिष्ठ कलाकार रीता प्रताप, नीलम नियाजी, रेखा अग्रवाल, भावना सक्सेना, मीना जैन, लक्ष्मी गजराज, रेणु शर्मा , विनीता सिंह, मीनाक्षी खींची, गीतांजलि कोठारी, कौशल्या बाकोलिया, द्रोपदी मीणा, वंदना पांडे, अंजू शर्मा, शिल्पा पराटे, आरुषि सक्सेना व राज कुमार चौहान ने पौधे लगा कर उनकी रक्षा करने का जिम्मा लिया।

City इवेंट्स

परफॉर्मेंस से किया बड़ों का सम्मान

बेधड़क. जयपुर। जगतपुरा स्थित अर्पण म्यूजिक संस्थान में गुरु पूर्णिमा पर्व बच्चों ने रोचक अंदाज में मनाया। इस अवसर पर गुरु शिष्य परम्परा का आयोजन गुरु वंदना के साथ किया गया। नृत्य गुरु रूपाली गौड़ व ऐसानी गौड़ ने गुरु राजेन्द्र राव के निर्देशन में दमदार प्रस्तुति देकर श्रोताओं को प्रभावित किया। इस मौके पर अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्रवण शर्मा, नृत्य गुरु राजेन्द्र राव तथा आईसी कुमार फाउंडेशन की डायरेक्टर माधुरी कुमार का स्वागत संस्था की स्थापना अध्यक्षा अर्पणा गौड़ ने किया। मंच का संचालन संगीता गौड़ ने किया। अंत में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगंतुकों को पौधे वितरित किए गए।

जेकेके में नटराज महोत्सव आज से

बेधड़क, जयपुर। जवाहर कला केंद्र में मंगलवार से 28 जुलाई तक छह दिवसीय नटराज महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में रंगमंच, गायन व नृत्य का संयोजन देखने को मिलेगा। पहली बार किसी थिएटर फेस्टिवल में रेड कार्पेट होगा। पहले दिन मनीषा गुलयानी की कथक प्रस्तुति के साथ महोत्सव का उद्घाटन होगा। 24 जुलाई से 28 जुलाई तक प्रतिदिन शाम 7 बजे नाट्य प्रस्तुति होगी। नाटक 'द शैडो ऑफ ओथेलो' का मंचन होगा। 25 जुलाई को देशराज गुर्जर निर्देशित 'गोरधन के जूते' नाटक होगा। 26 जुलाई को योगेंद्र सिंह के निर्देशन में हेनरिक इब्सन द्वारा लिखित नाटक 'एन एनिमी ऑफ द पीपल' का प्रदर्शन होगा। ऐसे ही आगामी दिनों में नाटक '12 एंग्री मेन' और संवाद प्रवाह में भारत रत्न भार्गव, आलोक चटर्जी, प्रेरणा श्रीमाली और जयंत देशमुख विचार रखेंगे। जयंत देशमुख निर्देशित और आलोक चटर्जी द्वारा अभिनीत नाटक नट सम्राट के मंचन के साथ समापन होगा।

प्लांटेशन से सावन का वेलकम

बेधड़क, जयपुर। लोकमंच मानसरोवर व रक्षा संस्था की ओर से सावन के तहत केशव उद्यान में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर नीम, अशोक, जामुन, आंवला सहित 21 पौधे लगाए गए। लोकमंच मानसरोवर अध्यक्ष नीरज पांथरी ने बताया, कि पौधारोपण के दौरान अभय अरोड़ा, राजेश लखवानी, योगेश खत्री, अजय पांथरी, जीतू भाटिया, विक्रम वर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रवीण गंगानी को जंवड़ा ने दी नृत्यांजलि

राम भजन पर थिरकते पैरों से कथकमय हुआ जयपुर

बेधड़क | जयपुर

'श्रीराम चंद्र कृपालू, भजमन...' भजन पर डॉ. सीमंतिनि चतुर्वेदी, आयुषी चतुर्वेदी, डॉ. निधि चतुर्वेदी और सत्तिका ने भावपूर्ण प्रस्तुति देकर प्रभावित किया। मौका था जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में गुरु पूर्णिमा पर उपांग कथक नृत्य कला केंद्र की ओर से गुरु प्रवीण गंगानी महोत्सव का।

केंद्र निदेशक जय कुमार जंवड़ा व शिष्यों ने सामूहिक रूप से गुरु प्रवीण गंगानी को श्रदांजलि और नृत्यांजलि दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सचिव व मुख्य निर्वाचन अधिकारी राज्य निर्वाचन आयोग संचिता विश्नोई रही। उन्होंने छात्राओं की प्रस्तुति को सराहा। विशिष्ठ अतिथि के रूप में समाजसेवी राम सहाय शर्मा और हितेश गौतम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भंवर लाल जंवड़ा की गणेश वंदना से हुआ। सुजाता मोडिया ने सितार पर व तबले पर सूरज मोठिया की जुगलबंदी ने सावन के मौसम में समां बांध दिया। योगेश, मोहित चौहान और भानवेन्द्र शंकर डांगी ने कैलाश रंजनी प्रस्तुत किया। तबले की जुगलबंदी में मोहित चौहान और शंकर डांगी अद्‌भुत रहे। अंत में अष्टमंगल में मात्रा सहित साक्षी, पोशाली, अंजली, अवनी, कोमल, माया, प्रशस्ति, काव्या, संगीता और रितिका ने प्रस्तुति दी। समापन पर कथक नृत्य गुरू जय कुमार जंवडा ने नृत्य से गुरु को नृत्यांजलि दी। कार्यक्रम संचालन आकांक्षा शंकर कौशिक ने किया।

भट्टारकजी की नसियां से होगी 25 को रवाना

शशांक सागर ने किया धार्मिक यात्रा के पोस्टर का विमोचन

बेधड़क | जयपुर

'तीर्थ क्षेत्रों की यात्रा करना पुण्य कार्य है। तीर्थ यात्रा में भाग्यवान भगवान की शरण में जाता है। श्रावक को साल में एक बार सिद्ध क्षेत्र अतिशय क्षेत्र की यात्रा करनी चाहिए। देव गुरु के श्रवण कर उस पर जो श्रदान करते हैं, वे सच्चे श्रावक कहलाते हैं।' ये उदगार आचार्य शशांक सागर महाराज ने झोटवाड़ा स्थित श्रीपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा के दौरान पोस्टर विमोचन समारोह में व्यक्त किए। इस मौके पर श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में 25 से 31 जुलाई तक आयोजित 7 दिवसीय धार्मिक यात्रा के पोस्टर विमोचन आचार्य के सानिध्य में किया गया। इस मौके पर पद यात्रा संघ संरक्षक सुभाष चन्द जैन, यात्रा के मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल, संयोजक सुरेश ठोलिया, प्रकाश गंगवाल, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, विनोद जैन कोटखावदा, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, राज कुमार बड़जात्या, विक्रम जैन सहित संघ कार्यकारिणी सदस्य व समाजसेवी राकेश गंगवाल, सुधीर गंगवाल, प्रदीप छाबड़ा, ऊषा जैन, नीरु छाबड़ा, दिनेश काला आदि उपस्थित थे। इससे पूर्व आचार्य को श्रीफल भेंट किया। संघ संरक्षक सुभाष चन्द जैन व मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल ने बताया कि यात्रा दल गुरुवार को भट्टारकजी की नसियां से रवाना होगा।

वीर शासन जयंती | चातुर्मास स्थलों व मंदिरों में जैन संतों के विशेष प्रवचन

भगवान महावीर के उपदेश व सिद्धांत आज भी प्रासंगिक

बेधड़क | जयपुर

दिगम्बर जैन धर्मावलम्बियों ने वीर शासन जयंती पर्व के मौके पर शहर में चातुर्मास स्थलों व मंदिरों में भगवान महावीर के उपदेशों पर जैन संतों के विशेष प्रवचन हुए। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिर भगवान महावीर के जयकारों से गुंजायमान हो उठे। वीर शासन जयंती पर शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में संगोष्ठिया हुई।

साधु-संतों की ओर से भगवान महावीर के उपदेशों पर विशेष प्रवचन दिए गए। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को वैशाख

शुक्ला दशमी को केवल ज्ञान प्राप्त हुआ था, लेकिन उस समय ज्ञान ग्रहण करने वाला कोई उचित श्रोता या शिष्य पात्र नहीं होने के कारण जैन धर्म के अन्य 23 तीर्थंकरों की भांति उस दिन भगवान महावीर की वाणी नहीं खिरी अर्थात उस दिन भगवान महावीर ने कोई उपदेश नहीं दिया।

इस तरह से शुरू हुआ वीर शासन जयंती का आयोजन

66 दिवस बाद श्रावण कृष्णा एकम् को राजगिरी में भगवान महावीर का समोवशरण लगा तो उसमें उपदेश को ग्रहण करने वाले उचित पात्र गौतम गणधर उपस्थित थे। गौतम गणधर को भगवान महावीर ने अपने ज्ञान से पहचान लिया व उसी समय भगवान की वाणी खिर गई अर्थात उन्होंने उपदेश देना प्रारंभ कर दिया। यही कारण है कि यह दिन भगवान महावीर के उपदेशों के महत्व को दर्शाता है। इसी दिन से वीर शासन जयन्ती मनाना शुरु हो गया। जैन धर्मावलंबियों द्वारा हर साल श्रावण कृष्णा प्रतिपदा (एकम्) को यह पर्व मनाया जाता है। भगवान महावीर के अहिंसा, ब्रह्मचर्य, सत्य, अपरिग्रह, स्यादवाद्, अनेकान्तवाद इत्यादि सिद्धांत आज भी पूरे विश्व के लिए अनुकरणीय है।

कहां, किसके सानिध्य में मनाई जयंती

मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन भवन में मुनि प्रणम्य सागर ससंघ के सानिध्य में वीर शासन जयंती मनाई गई। प्रताप नगर के दिगंबर जैन मंदिर में उपाध्याय ऊर्जन्तसागर, अतिशय क्षेत्र पदमपुरा बाड़ा में मुनि महिमा सागर ससंघ, झोटवाड़ा के श्रीपार्श्वनाथ मंदिर में आचार्य शशांक सागर ससंघ, अग्रवाल फार्म स्थित श्रीपार्श्वनाथ मंदिर थड़ी मार्केट में उपाध्याय वृषभानन्द, दुर्गापुरा के श्री चन्द्रप्रभू मंदिर में मुनि पावन सागर ससंघ, बरकत नगर के णमोकार भवन में मुनि अर्चित सागर, दहमीकला के श्रीआदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य नवीन नन्दी, बीलवा के नांगल्या स्थित विमल परिसर में गणिनी आर्यिका 105 नंगमति माताजी के सानिध्य में वीर शासन जयंती के आयोजन हुए।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, मंगलवार, 23 जुलाई, 2024

उम्र चाहे कोई भी हो ज़िन्दगी में, मनचाहे रिश्ते अपने आप हमउम्र हो जाते हैं।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

सूडान में अमानवीय हालात... क्रूरता की इंतेहा, भोजन-पानी के बदले लूटी जा रही अस्मत

भूख से बिलखती महिलाओं को नोच रहे सूडानी सैनिक

■ ओमदुरमान में युद्ध के कारण वहां से भागने में विफल रहीं थी मजलूम औरतें

खार्तूम। युद्धग्रस्त अफ्रीकी देश सूडान से दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। सूडानी शहर ओमदुरमान में जिंदा रहने के लिए जद्दोजहद कर रही महिलाओं का कहना है कि उन्हें भोजन पाने के लिए सैनिकों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि सूडानी सैनिक यौन संबंध बनाने के बाद ही भोजन-पानी दे रहे हैं। बड़ी संख्या में महिलाओं को इसके लिए कतार में खड़े होकर रहना पड़ता है। दरअसल, गृह युद्ध की वजह से सूडान में आर्थिक हालात खराब हैं और लोगों के सामने खाने और पीने तक का संकट है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि ओमदुरमान में युद्ध के कारण वहां से भागने में विफल रहीं दो दर्जन से अधिक महिलाओं ने कहा कि जिंदा रहने के लिए उनके सामने सूडानी सेना के जवानों के साथ यौन संबंध बनाना ही एकमात्र विकल्प बच गया है। रिपोर्ट में पीड़ित महिलाओं के हवाले से कहा गया है कि सेना के जवान अपनी जिस्मानी आग बुझाने के लिए बड़ी संख्या में मजबूर महिलाओं को कतार में खड़े रखते हैं, फिर उनके साथ यौन संबंध बनाते हैं। इसके बदले में उन महिलाओं को कुछ भोजन-पानी मिलता है, जिससे वे अपान और अपने परिवार का पेट भर पाती हैं।

90 फीसदी मुस्लिम आबादी

15 अप्रैल 2023 से ही सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और वहां के अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फ़ोर्सेज (आरएसएफ) के बीच जंग जारी है। सूडान भू-सामरिक दृष्टिकोण से काफी अहम है। यह मुल्क अरब देशों और अफ्रीकी देशों के बीच स्थित है। यह एक इस्लामिक देश है, जहां की 90 फीसदी आबादी मुस्लिम है। मौजूदा सत्ता संघर्ष की अगुवाई दो जनरल कर रहे हैं। एक ओर सेना के जनरल अब्देल फतेह अल बुरहान हैं तो दूसरी ओर देश के दूसरे नंबर के नेता और RSF के अगुवा जनरल हमदान दगालो हैं, जिसे आमतौर पर हेमेदती के नाम से जाना जाता है। ये दोनों एक जमाने में सहयोगी थे। दोनों ने मिलकर अक्टूबर 2021 में तख़्तापलट की अगुवाई की थी लेकिन अब दोनों में सत्ता संघर्ष छिड़ा है।

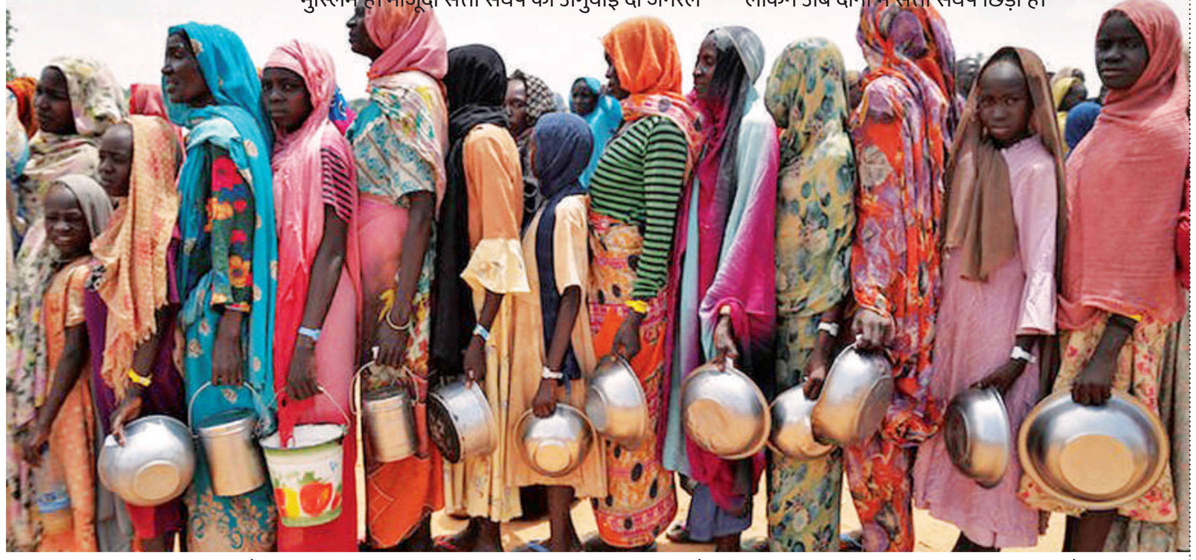

जहां खाने के सामान का भंडार वहां लुट रही इज्जत

महिलाओं ने कहा कि यौन संबंध बनाने की अधिकतर घटनाएं फैक्टरी वाले इलाकों में होती हैं, जहां सैनिकों ने हमले कर खाने-पाने के सामान का बड़े पैमाने पर भंडारण कर रखा है। एक महिला ने गार्जियन को बताया कि उनके सामने इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा कि वह उन सैनिकों के साथ यौन संबंध बनाए और अपने बूढ़े मां-बाप और बच्चों के लिए खाना पाए। सूडान में पिछले एक साल से गृहयुद्ध छिड़ा हुआ है। पिछले साल 15 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी गृह युद्ध छिड़ने के बाद से ही महिलाओं के साथ सैनिकों के जबरन रेप की खबरें आती रही हैं, लेकिन अब इन सैनिकों ने भोजन-पानी देने के एवज में भी महिलाओं को अपना शिकार बनाना शुरू कर दिया है।

राजधानी पर कब्जे की चल रही है लड़ाई

बता दें कि सूडान में सेना के परस्पर विरोधी शक्तिशाली गुट राजधानी खार्तूम पर कब्जे की लड़ाई लड़ रहे हैं। इसकी वजह से वहां मानवीय संकट उठ खड़ा हुआ है। अब तक वहां 15000 से ज्यादा लोगों को जान गंवाना पड़ा है, जबकि 10 हजार से ज्यादा लोग बेघर और विस्थापित हुए हैं। वहां लोग भोजन, ईंधन, पानी, दवाइयों और बिजली की गंभीर किल्लत का सामना करने को मजबूर हैं।

बाइडेन के हटने पर लोगों ने जताया कमला पर भरोसा...

पार्टी पर कर दी धनवर्षा

इस साल एक दिन में चंदा आने का बना नया रिकॉर्ड

एजेंसी | वाशिंगटन

जो बाइडेन के राष्ट्रपति पद के चुनाव से पीछे हटने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के ऊपर धन की वर्षा होने लगी है। पार्टी के लिए धन उगाहने वाले समूह एक्टब्लू ने रविवार शाम को बताया कि राष्ट्रपति बाइडेन से हटने और कमला हैरिस को समर्थन देने के बाद 2024 के चुनाव में अब तक की सबसे बड़ी रकम जुटाई गई। कमला हैरिस के लिए ऑनलाइन चंदा जुटाने वाले इस समूह ने एक्स पर पोस्ट करके लिखा कि रात 9 बजे तक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के लिए कैंपेन लॉन्च करने के बाद हमने करीब 46.7 मिलियन डॉलर जुटाए जो 2024 में अब तक सबसे ज्यादा हैं।

कोविड से रिकवर होते ही बाइडेन ने चुनावों से पीछे हटने की घोषणा कर दी। लगातार बन रहे दबाव और बढ़ती उम्र के कारण बाइडेन के इस कदम की संभावना पहले से ही लगाई जा रही थी। बाइडेन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि राष्ट्रपति पद पर चुना जाना उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान है।

मैं चाहता था कि चुनाव लड़ूं: बाइडेन

बाइडेन ने पोस्ट में आगे लिखा, मैं चाहता था कि मैं चुनाव लड़ूं , लेकिन मेरी पार्टी और मेरे देश के हित में यही होगा की में इस चुनावी लड़ाई से पीछे हट जाऊं और राष्ट्रपति के रूप में अपने बचे हुए कार्यकाल में अपने कार्यों को सही ढंग से करूं। इस पोस्ट के कुछ ही देर बाद बाइडेन ने एक और पोस्ट करते हुए लिखा कि मैंने कमला को अपने उपराष्ट्रपति पद के लिए चुना था क्योंकि मेरा मानना है कि वह इस काम के लिए बेहतर हैं।

कमला हैरिस को पूर्ण समर्थन

अब जबकि मैं इस चुनाव में अपनी दावेदारी से पीछे हट रहा हूं तो मैं अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस के नाम का पूर्ण रूप से समर्थन करता हूं। राष्ट्रपति पद के लिए बाइडेन के कैंपेन का नाम अब इसके बाद ऑफिशियल रूप से हैरिस फॉर प्रेसिडेंट हो जाएगा। बाइडेन के कमला को सपोर्ट करने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी में चर्चा का दौर शुरू हो गया है। पार्टी के बड़े नेता खुद को उम्मीदवार बनाने के लिए कमर कसते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दावेदारी की रेस में कमला का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी कैलिफोर्नियां के गवर्नर गेविन न्यूसोम हैं।

दूल्हे ने उड़ाई हंसी तो आया गुस्सा

शादी के 3 मिनट बाद दुल्हन का तलाक

■ सोशल मीडिया पर वायरल हुआ मामला

एजेंसी | कुवैत सिटी

शादी जन्म-जन्मांतर का रिश्ता होता है। निभाने में पूरी जिंदगी लग जाती है और बिगाड़ने में पलभर की भी देरी नहीं लगती। ऐसी ही घटना कुवैत में घटी। यहां लड़का-लड़की को शादी किए तीन मिनट ही हुए थे और वो हंसी-खुशी बाहर निकल रहे थे। तभी दूल्हे के मुंह से कोई ऐसी बात निकल गई कि दुल्हन बुरी तरह भड़क गई और वो सीधे रजिस्ट्रार के पास पहुंच गई। उसने बिना समय गंवाए अपनी शादी तोड़ दी। कुवैत में तीन मिनट की चली शादी एक बार फिर चर्चा बटोर रही है।

जिस विवाह में सम्मान नहीं वह कामयाब नहीं

दरअसल, दूल्हे की कही बात से दुल्हन आहत हो गई थी और उसने तुरंत ही उससे रिश्ता हमेशा के लिए तोड़ने का फैसला ले लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए X यूजर का कहना है, "मैं एक शादी में गया था जहां दूल्हे ने अपनी पत्नी का मजाक उड़ाया। इसके बाद महिला ने वही किया जो उसे करना चाहिए था। एक अन्य ने लिखा, "जिस विवाह में सम्मान नहीं होता वह कभी कामयाब नहीं हो सकता।

यह हुई थी घटना

मामला कुछ यूं है कि कोर्ट मैरिज की औपचारिकता के बाद युगल अदालत से बाहर निकल रहे थे, तभी दुल्हन लड़खड़ाकर गिर गई। दूल्हे ने दुल्हन के गिरने का मजाक बनाया और हंसी उड़ाते हुए बेवकूफ कह दिया। यह सुनकर दुल्हन का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उसने जज से तुरंत उनकी शादी को रद्द करने के लिए कहा। जज सहमत हो गए और शादी के तीन मिनट बाद ही विवाह को रद्द कर दिया। इसे देश के इतिहास में सबसे छोटी शादी कहा जा रहा है।

अफगानिस्तान के पास अफीम का भंडार

काबुल। अफगानिस्तान में अभी भी अफीम का भारी भंडार है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की नई रिपोर्ट में दावा किया गया है। यह जानकारी ऐसे वक्त सामने आई, जब तालिबान ने अपने देश में अफीम की खेती पर रोक लगाई हुई है। रिपोर्ट में कहा गया कि मौजूदा भंडार का इस्तेमाल नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क की जरूरतों को पूरा करने में हो सकता है। वहीं, भारतीय अधिकारियों ने बताया कि भारत में तस्करी की जाने वाली अधिकर ड्रग्स अफगानिस्तान से आती है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI समुद्री मार्ग से नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए इस्तेमाल होने वाले नेटवर्क को कंट्रोल करती है।

तालिबान पर लगे प्रतिबंधों की निगरानी करने वाली यूएन की टीम ने यह रिपोर्ट तैयार की है। इसमें कहा गया, 'अफगानिस्तान में अफीम पोस्त की खेती पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद, बड़े पैमाने पर इसका भंडार मौजूद है जो नशीले पदार्थों के व्यापार को जारी रखे हुए है। यह अफीम का भंडार इतना बड़ा है कि जब्ती से भी निर्यात में कोई अंतर नहीं दिखता है। अफीम का यह भंडार कितना होगा, इसे लेकर अलग-अलग अनुमान हैं।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl